संस्कृतविभागः जामियामिल्लियाइस्लामिया नवदेहलीस्थः
(राष्ट्रियमूल्याङ्कनपरिषदा A++ श्रेण्या प्रत्यायितः केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)
Department of Sanskrit, Jamia Millia Islamia, New Delhi 110 025
(NAAC Accredited A++ Central University)

संस्कृतस्नातकपाठ्यक्रमसङ्घटनम् (राष्ट्रियशिक्षानीतिम्-2020 आश्रित्य)

Undergraduate Programme in Sanskrit (Based on National Education Policy-2020)

अनुशासन-विशिष्ट-मूलम् / Major Papers

Session 2024-25 Onwards — No. of **Credits: 04, Total Marks: 100** (UE-75, IA-25)

Semester	S. No. /Pg. No.	Course Code	Title of the Paper
I	1	24-SAN-C-100	संस्कृत-प्रवेशः / Entry Level Sanskrit
	2	24-SAN-C-101	पद्यकाव्यम् /Poetry
II	3	24-SAN-C-150	गीतायां प्रबन्धनसिद्धान्ताः / Principles of Management in the Gita
	4	24-SAN-C-151	गद्यकाव्यम् / Prose
III	5	24-SAN-C-200	व्याकरणशास्त्रम्: लघुसिद्धान्तकौमुदी-I /Grammar: Laghusiddhantakaumudi-I
	6	24-SAN-C-201	नीतिसाहित्यम् / Niti Literature
IV	7	24-SAN-C-250	उपनिषद्दर्शनम् / The Philosophy of the Upanisads
	8	24-SAN-C-251	स्मृतिसाहित्यम् / Smriti Literature
	9	24-SAN-C-252	नाटकम्/Drama
V	10	24-SAN-C-300	व्याकरणशास्त्रम्:लघुसिद्धान्तकौमुदी-II/Grammar:Laghusiddhantakaumudi-II
	11	24-SAN-C-301	न्याय-वैशेषिकदर्शनम्: तर्कसङ्ग्रहः / Philosophy of Nyaya-Vaisheshika: Tarkasangraha
	12	24-SAN-C-302	संस्कृतसाहित्यशास्त्रसमालोचना / Sanskrit Poetics and Criticism
VI	13	24-SAN-C-350	पाणिनिव्याकरणस्य मूलभूतसिद्धान्ताः / Basic Principles of Panian Grammar
	14	24-SAN-C-351	वेद / Veda
	15	24-SAN-C-352	साहित्यशास्त्रम् : साहित्यदर्पणः / Poetics: Sahityadarpana
	16	24-SAN-C-353	आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम् / Modern Sanskrit Literature
VII	17	24-SAN-C-400	यास्ककृतनिरुक्तम् / Nirukta of Yaska
	18	24-SAN-C-401	वेदान्तदर्शनम् : वेदान्तसारः / Vedanta Philosophy: Vedantasara
	19	24-SAN-C-402	साहित्यम् : मेघदूतम् / Literature: Meghadutam
	20	24-SAN-C-403	संस्कृतानुसन्धानपद्धतिः लघुप्रबन्धलेखनं च / Research Methodology for Sanskrit Studies and Dissertation Writing
VIII	21	24-SAN-C-450	भाषाविज्ञानं भाषादर्शनं च / Linguistics and Philosophy of Language
	22	24-SAN-C-451	दर्शनशास्त्रम् : प्रस्थानभेदः / Philosophy: Prasthanbheda
	23	24-SAN-C-452	काव्यं नाटकं च /Poetry and Drama
	24	24-SAN-C-453	वैदिकचिन्तनपरम्परा / Vedic Thought Tradition

सेमेस्टर-I **24-SAN-C-100**	**संस्कृत-प्रवेशः** **Entry Level Sanskrit**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* देवनागरी लिपि और संस्कृत भाषा की पृष्ठभूमि को जान सकेंगे। * संस्कृत वार्तालाप एवं सम्भाषण की पृष्ठभूमि तैयार हो सकेगी। * संस्कृत साहित्य से परिचित होंगे।
इकाई 01: इकाई 02:	अनुप्रयुक्त संस्कृत : देवनागरी लिपि, माहेश्वर सूत्र, संस्कृत वर्णों के उच्चारण स्थान, वाग्व्यवहार : कारक पर आधारित वाक्य संरचना, संस्कृत वार्तालाप एवं सम्भाषण का अभ्यास, सरल संस्कृत कथाओं के माध्यम से भाषाभ्यास,भ्वादिगण की धातुओं के आधार पर वाक्य संरचना एवं सामान्य व्यवहार में प्रयोग (लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् लकारों में परस्मैपद प्रयोग), अव्यय, उपसर्ग, कारक एवं विभक्ति के आधार पर वाक्य संरचना एवं सामान्य व्यवहार में प्रयोग (लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् लकारों में), 'सरलं मानकं संस्कृतम्' के आधार पर भाषाभ्यास
इकाई 03: इकाई 04:	परिचयात्मक संस्कृत साहित्य : संहिता साहित्य, आरण्यक साहित्य, ब्राह्मण साहित्य, उपनिषद् साहित्य, वेदाङ्ग, आर्षकाव्य, पद्यकाव्य, गद्यकाव्य तथा चम्पू, कथासाहित्य, पुराण साहित्य, महाकाव्य, शास्त्रकाव्य, चरितकाव्य, इतिहासविषयक विविध साहित्य, व्याकरणशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, आयुर्वेदशास्त्र, धर्मशास्त्र, संगीतशास्त्र, काव्यशास्त्र परम्परा, दर्शनशास्त्र, शब्दकोश (विलुप्तप्राय प्राचीन कोश, वैदिक शब्दकोश, लौकिक संस्कृत के शब्दकोश, आधुनिक कोश), आधुनिक संस्कृत में लेखन की विविध विधाएँ, विदेशी विद्वानों के संस्कृत कार्य

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. सरलं मानकं संस्कृतम् (https://www.sanskrit.nic.in/data/Simple_Standard_Sanskrit.pdf) (Reports of the Committee Constituted by Rashtriya Samskrit Parishad-GoI for suggesting ways and means of defining Simple Standard Sanskrit)
2. सम्भाषणम् (प्रथमा दीक्षा), वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली
3. संस्कृत व्यवहार साहस्री, संस्कृतभारती, नवदेहली
4. स्वयमेव संस्कृतशिक्षणम् , डॉ. जीतराम भट्ट,डॉ. गोस्वामी गिरिधारी लाल शास्त्री प्राच्य विद्या प्रतिष्ठानम्, नई दिल्ली
5. पञ्चतन्त्रकथाः, डॉ. विश्वास, संस्कृतभारती, बेङ्गलूरु
6. व्यूहभेदः (अन्याः कथाश्च), जनार्दन हेगडे, संस्कृतभारती, नवदेहली
7. रुचिराः बालकथाः, डॉ. सुधा मूर्ति (संस्कृतानुवादः- डॉ. नागरत्ना हेगडे), संस्कृतभारती, बेङ्गलूरु
8. रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
9. मनोगतम् (आकाशवाणीद्वारा जनजागरणम्), संस्कृतानुवादः - सरिता कृष्ण शास्त्री, संस्कृतसंवर्धनप्रतिष्ठानम्, देहली
10. संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
11. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (छात्रोपयोगी संस्करण), राधावल्लभ त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
12. The Students Guide To Sanskrit Composition, V.S. Apte, Chaukhamba Sanskrit Series Office, Varanasi
13. Higher Sanskrit Grammar, M.R. Kale, Motilal Banarsidass, Delhi

सेमेस्टर-I **24-SAN-C-101**	**पद्यकाव्यम्** **Poetry**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण और देवनागरी लिपि का परिचय।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* काव्य, काव्य के भेदों विशेषकर महाकाव्य के विषय में अवगत होंगे। संस्कृत वाङ्मय में कालिदास और भारवि के जीवन-वृत्त, वैदुष्य एवं उनके योगदान से परिचित होंगे। * संस्कृत शब्दों की विशिष्ट प्रयोग विधि का साक्षात्कार होगा।

इकाई 01:	रघुवंशमहाकाव्यम्- प्रथम सर्ग
इकाई 02:	
इकाई 03:	किरातार्जुनीयम्-प्रथम सर्ग
इकाई 04:	

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. रघुवंशम्-मल्लिनाथ कृत संजीवनी टीका, कृष्णमणि त्रिपाठी (सम्पा.), चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. भारविकृत किरातार्जुनीयम्, जनार्दन शास्त्री (अनु.), मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली
3. महाकवि-भारवि-विरचितम् किरातार्जुनीयम्, डॉ. सावित्री गुप्ता (व्या.), विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
4. Raghuvansham of Kalidas, C.R. Devadhar (Ed.), Motilal Banarsidas, Delhi
5. Raghuvansham of Kalidas, M.R. Kale, Motilal Banarsidas, Delhi
6. Raghuvansham of Kalidas, Gopal Raghunath Nandargikar (Ed.), Motilal Banarsidas, Delhi
7. Kiratarjuniyam of Bharavi, M.R. Kale (Ed.), Motilal Banarsidas, Delhi

सेमेस्टर-II **24-SAN-C-150**	**गीतायां प्रबन्धनसिद्धान्ताः** **Principles of Management in the Gita**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	देवनागरी लिपि और संस्कृत भाषा की पृष्ठभूमि अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	श्रीमद्भगवद्गीता में प्रतिपादित प्रबन्धन के सिद्धान्तों का मानव की दैनिक जीवन की समस्याओं से तारतम्य स्थापित कर सकेंगे।
इकाई 01:	प्रबन्धन : अर्थ एवं परिभाषा, प्रबन्धन का भारतीय स्वरूप एवं पाश्चात्य स्वरूप, श्रीमद्भगवद्गीता की पृष्ठभूमि, कुरुक्षेत्र युद्ध के कारण
इकाई 02:	मानसिक द्वन्द्व, मन एवं मन निग्रह के साधन
इकाई 03:	कर्मतत्त्व एवं प्रबन्धन
इकाई 04:	ज्ञान के सिद्धान्त, भक्तितत्त्व एवं प्रबन्धन

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. गीता-साधक-संजीवनी (कोड-6), स्वामी रामसुखदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
2. भगवत् गीता में प्रबंधन, हेमलता, हंसा प्रकाशन, जयपुर
3. गीता में आत्मप्रबन्धन, दीपक कालिया, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. गीता में आत्मप्रबन्धन, विनोद कुमार, परिमल प्रकाशन, दिल्ली
5. गीता में आत्मप्रबन्धन, राजेन्द्र कुमार, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
6. Management Paradigms from Bhagavad Gita, B Mahadevan, Indian Institute of Management, Bangalore
7. Bhagavad Gita and Management, M.P. Bhattathiri (Retired Chief Technical Examiner, Govt. of Kerala)
8. The Holy Geeta, Chinmayanand, Chinmaya Publication, Mumbai
9. Universal Message of the Bhagavad Gita, Swami Ranganathananda, 3-Volumes, Advaita Ashrama, Kolkata
10. The Essays on the Gita, Shri Aurobindo, Shri Aravind Ashram, Pondichery

सेमेस्टर-II **24-SAN-C-151**	**गद्यकाव्यम्** **Prose**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	देवनागरी लिपि और संस्कृत भाषा की पृष्ठभूमि अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* संस्कृत गद्यकाव्य परम्परा से अवगत होंगे। * संस्कृत वाङ्मय कथा साहित्य से परिचित होंगे। * संस्कृत शब्दों की विशिष्ट प्रयोग विधि का साक्षात्कार होगा। * पञ्चतन्त्र की शिक्षाओं और इनकी दैनिक जीवन में व्यवहारिकता के मध्य तारतम्य स्थापित कर सकेंगे।

इकाई 01:	कादम्बरी-शुकनासोपदेशः
इकाई 02:	
इकाई 03:	पञ्चतन्त्रम् (तृतीयतन्त्रम्-काकोलूकीयम्)
इकाई 04:	

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. शुकनासोपदेश, रामपाल शास्त्री, चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली
2. शुकनासोपदेश, रमाकान्त झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. श्रीविष्णुशर्माणीतं पञ्चतन्त्रम्, श्यामचरण पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. The Kadambari of Bana, C.M. Ridding, MLBD, Delhi
5. Panchatantra-Five Wise Lessons, Krishna Dharma, MLBD, Delhi
6. Panchatantra (Translated from the Sanskrit by Arthur W. Ryder, MLBD, Delhi
7. Panchatantra or Gems of Indian Thought, Vijay Narain, Chaukhambha Sanskrit Pratishthan, Varanasi

सेमेस्टर-III **24-SAN-C-200**	**व्याकरणाशास्त्रम् : लघुसिद्धान्तकौमुदी-I** **Grammar : Laghusiddhantakaumudi-I**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 40 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 60 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक प्रथम वर्ष उत्तीर्ण एवं संस्कृत भाषा का सामान्य ज्ञान अपेक्षित ।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* संस्कृत व्याकरण के प्राथमिक घटकों- संज्ञा, सन्धि, समास एवं कृदन्त के कुछ महत्त्वपूर्ण प्रत्ययों का ज्ञान तथा उनके अनुप्रयोगों से परिचित होकर व्याकरणशास्त्र के विशेष अध्ययन के प्रति उन्मुख हो सकेंगे।

इकाई 01:	लघुसिद्धान्तकौमुदी : संज्ञाप्रकरण : माहेश्वरसूत्र, प्रत्याहार निर्माण विधि, वर्णों के उच्चारणस्थान, प्रयत्न एवं इत्, लोप, ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत, उदात्त, अनुदात्त, स्वरित, अनुनासिक, अननुनासिक, सवर्ण, संहिता, संयोग, पद संज्ञाएँ अच् सन्धि : यण, अयादि, गुण, वृद्धि, दीर्घ, पररूप, पूर्वरूप
इकाई 02:	लघुसिद्धान्तकौमुदी : हल् सन्धि- श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व, चर्त्व, अनुनासिकत्व, छत्व विसर्ग सन्धि : सत्व, रुत्व, उत्व, लोप
इकाई 03:	लघुसिद्धान्तकौमुदी : समास एवं विभक्त्यर्थ प्रकरण का सामान्य अध्ययन
इकाई 04:	लघुसिद्धान्तकौमुदी : कृत्य प्रक्रिया- तव्यत्, अनीयर्, ण्यत्, यत् कृत् प्रत्यय- क्त, क्तवतु, क्त्वा, तुमुन्, ल्यप्, शतृ, शानच्

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

11. लघुसिद्धान्तकौमुदी (मूलपाठ), गीताप्रेस, गोरखपुर
12. लघुसिद्धान्तकौमुदी-भैमी व्याख्या (भाग-१), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
13. लघुसिद्धान्तकौमुदी (मूल एवं हिन्दी व्याख्या), धरानन्द शास्त्री (हि.व्या.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी (मूल एवं हिन्दी व्याख्या), गोविन्द प्रसाद शर्मा (हि.व्या.), चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
15. व्याकरण चन्द्रोदय (भाग १-३), चारूदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
16. लघुसिद्धान्तकौमुदी-प्रकाशिका नाम्नी हिन्दी व्याख्या सहित, सत्यपाल सिंह, शिवालिक पब्लिकेशन्स, दिल्ली
17. Higher Sanskrit Grammar, M.R. Kale, Motilal Banarsidas, Delhi
18. Laghusiddhantakaumudi (Vol. 01) Kanshiram, Motilal Banarsidas, Delhi

सेमेस्टर-III **24-SAN-C-201**	**नीतिसाहित्यम्** **Niti Literature**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक प्रथम वर्ष उत्तीर्ण एवं संस्कृत भाषा का सामान्य ज्ञान अपेक्षित ।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	नीति कथाओं के माध्यम से नैतिक गुणों से परिचित हो सकेंगे तथा उसका अपने जीवन में प्रयोग करने में सक्षम हो सकेंगे।
इकाई 01:	शुक्रनीति : तृतीय अध्याय-श्लोक सङ्ख्या 1-50
इकाई 02:	विदुरनीति : श्लोक संख्या 21-70
इकाई 03:	चाणक्यनीति : प्रथम, तृतीय एवं पञ्चम अध्याय
इकाई 04:	नीतिशतकम् : श्लोक संख्या 1-50

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, विमलचन्द्रिकासंस्कृत टीका व हिन्दी व्याख्या सहित, विष्णुदत्त शर्मा (व्या.), ज्ञानप्रकाश, मेरठ
2. नीतिशतकम् (संस्कृत टीका, हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या), तारिणीश झा, रामनारायणलाल वेणीमाधव, इलाहाबाद
3. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, बाबूराम त्रिपाठी (सम्पा.), महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
5. भर्तृहरिविरचितम् नीतिशतकम् (हिन्दी संस्कृत व्याख्या सहित), डॉ. राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
6. भर्तृहरि:शतकत्रयम्, गोपीनाथ, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
7. चाणक्यनीतिदर्पण :, व्या.गुञ्जेश्वर चौधरी, चौखम्बा सुर भारती प्रकाशन, वाराणसी
8. विदुरनीति, तत्त्वार्थदर्शिनी-सरलार्थबोधिनी, संस्कृत-हिन्दी टीका सहित, जगन्नाथ शास्त्री होसिंगा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी
9. विदुरनीति, गीताप्रेस, गोरखपुर
10. शुक्रनीति:, व्या. जगदीशचंद्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
11. Nitishatakam of Bhartrihari, M. R. Kale (Ed.), Motilal Banarsidas, Delhi
12. Chanakya Neeti, B.K. Chaturvedi, MLBD, Delhi,
13. Chanakya Niti Darpana, Ed. by Gunjeswar Chaudhury, Chowkhamba Sanskrit Pratisthan, Varanasi

सेमेस्टर-IV **24-SAN-C-250**	**उपनिषद्दर्शनम्** **The Philosophy of the Upanishads**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक प्रथम वर्ष उत्तीर्ण, संस्कृत भाषा, वैदिक ग्रन्थों एवं उपनिषदों का सामान्य ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	वैदिक ज्ञान के उत्कर्ष उपनिषदों के प्रतिपाद्य विषय, उनके सिद्धान्तों में निहित दर्शन एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के उन्नयन में उपनिषदों के महत्त्व को जान सकेंगे। तैत्तिरीयोपनिषद् की शिक्षावल्ली तथा ब्रह्मानन्दवल्ली एवं केनोपनिषद् में प्रतिपादित ज्ञान का सम्यक् ज्ञान कर सकेंगे।

इकाई 01:	प्रमुख उपनिषद् एवं उनका केन्द्रीय प्रतिपाद्य
इकाई 02:	तैत्तिरीयोपनिषद्-शिक्षावल्ली (अनुवाक 1-5 एवं 11)
इकाई 03:	तैत्तिरीयोपनिषद्-ब्रह्मानन्दवल्ली (अनुवाक 1-6)
इकाई 04:	केनोपनिषद् (सम्पूर्ण)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. ईशावास्योपनिषद्-हिन्दी अनुवाद एवं शाङ्करभाष्य सहित, (व्या.) आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. ईशावास्योपनिषद्, सानुवाद शाङ्करभाष्यसहित, गीताप्रेस, गोरखपुर
3. ईशोपनिषद् -हिन्दीविज्ञानभाष्य ,पं मोतीलाल शास्त्री, जयपुर
4. ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर
5. उपनिषत्संग्रह, (सम्पा.) पं. जगदीश शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6. उपनिषदों की कहानियाँ/Stories of Upanishads (Bilingual: Hindi-English). जयकिशनदास सादानी, भारतीय विद्या मन्दिर, दिल्ली
7. उपनिषदों का सन्देश, डॉ. एस्. राधाकृष्णन, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
8. उपनिषद्-अङ्क, गीताप्रेस, गोरखपुर
9. उपनिषद्विज्ञानभाष्यभूमिका(खण्ड-1-3), मोतीलाल शास्त्री, राजस्थान वैदिक तत्त्व शोध संस्थान, जयपुर
10. उपनिषदों की कहानियाँ, रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री, साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयाग
11. कठोपनिषद् ,हिन्दीविज्ञानभाष्य-पं मोतीलाल शास्त्री ,राजस्थान पत्रिका प्रकाशन, जयपुर
12. कठोपनिषद्, सानुवाद शाङ्करभाष्यसहित, गीताप्रेस, गोरखपुर
13. केनोपनिषद्(हिन्दी अनुवाद सहित), गीताप्रेस, गोरखपुर
14. केनोपनिषद्, सानुवाद शाङ्करभाष्यसहित, गीताप्रेस, गोरखपुर
15. केनोपनिषद् -हिन्दीविज्ञानभाष्य ,पं मोतीलाल शास्त्री ,जयपुर
16. तैत्तिरीयोपनिषद् सानुवाद शाङ्करभाष्यसहित, गीताप्रेस, गोरखपुर
17. माण्डूक्योपनिषद् -हिन्दीविज्ञानभाष्य ,पं मोतीलाल शास्त्री , राजस्थान पत्रिका प्रकाशन, जयपुर
18. मुण्डकोपनिषद् -हिन्दीविज्ञानभाष्य ,पं मोतीलाल शास्त्री ,राजस्थान पत्रिका प्रकाशन, जयपुर
19. The Principal Upanishads, S. Radhakrishnan, Oxford University Press, Delhi

सेमेस्टर-IV **24-SAN-C-251**	**स्मृतिसाहित्यम्** **Smriti Literature**
क्रेडिट :04	**कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)**
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक प्रथम वर्ष उत्तीर्ण, स्मृति साहित्य का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और समाज व्यवस्था की जानकारी मिलेगी । * भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली की गहराई से समझ होगी । * धर्मशास्त्र और आधुनिक विधि के बीच के सम्बन्ध को समझने में सरलता होगी। * स्मृति ग्रंथों में वर्णित नियमों की आधुनिक युग में क्या उपयोगित है,इस तथ्य से भी अवगत होंगे।

इकाई 01:	**मनुस्मृति :** प्रथम अध्याय (1-55 पद्य)
इकाई 02:	**मनुस्मृति :** द्वितीय अध्याय (1-55 पद्य)
इकाई 03:	**याज्ञवल्क्यस्मृति** : व्यवहाराध्याय मात्र
इकाई 04:	

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

8. मनुस्मृति, कुल्लूकभट्ट टीका सहित, (सं०) शिवराज आचार्य, विद्याभवन, वाराणसी
9. मनुस्मृति, कुल्लूकभट्ट टीका सहित, (सं०) हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
10. मनुस्मृति,पण्डित रामेश्वर भट्ट,चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान,दिल्ली
11. याज्ञवल्क्यस्मृति, (सं०) डा० गंगासागर राय, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
12. प्रमुख स्मृतियों का अध्ययन, डॉ० लक्ष्मीदत्त ठाकुर,हिन्दी समिति,सूचना विभाग,उत्तर प्रदेश,लखनऊ
13. स्मृतिकालीन व्यवहार पद्धति,डॉ० प्यारेलाल चौहान,नाग प्रकाशन,दिल्ली
14. धर्मशास्त्र का इतिहास (भाग 1-5) पी.बी. काणे, हिन्दी अनुवाद अर्जुन चौबे कश्यप, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
15. धर्मसूत्रीय आचार संहिता, डॉ० नरेंद्र कुमार,विद्या निधि प्रकाशन,दिल्ली
16. History of Dharmaśāstra, Kane, P.V., Vol. I, BORI, Poona
17. Varadachariar, S. Hindu Judicial System
18. Laws of Manu, (Reprint) MLBD, Delhi

सेमेस्टर-IV **24-SAN-C-252**	**नाटकम्** **Drama**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक प्रथम वर्ष उत्तीर्ण,संस्कृत साहित्य एवं भाषा का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* संस्कृत नाट्य साहित्य को समझ सकने में सक्षम होंगे। * संवाद एवं अभिनय कौशल में प्रवीण हो सकेंगे। * नाटक में प्रयुक्त रस, छन्द एवं अलङ्कार का सम्यक् बोध कर सकेंगे।

इकाई 01:	**अभिज्ञानशाकुन्तलम्** : प्रथम अङ्क एवं द्वितीय अङ्क
इकाई 02:	**अभिज्ञानशाकुन्तलम्** : तृतीय अङ्क एवं चतुर्थ अङ्क
इकाई 03:	**अभिज्ञानशाकुन्तलम्** : पञ्चम अङ्क (द्रुतवाचन), षष्ठ अङ्क (द्रुतवाचन) सप्तम अङ्क (द्रुतवाचन), समग्र ग्रन्थ की नाट्यशास्त्रीय समीक्षा
इकाई 04:	**रूपक के लक्षण एवं प्रकार, नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली**: नान्दी, सूत्रधार, नायक, प्रस्तावना, प्रवेशक, भरतवाक्य, विष्कम्भक,नेपथ्य, कञ्चुकी, विदूषक, आकाशभाषित ,कार्यावस्था,अर्थप्रकृति,पञ्चसन्धि

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्व भारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर(वाराणसी)
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, सुबोधचन्द्र पन्त (व्या.), मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, सुरेन्द्र देव शास्त्री (व्या.), रामनारायण वेणी प्रसाद, इलाहाबाद
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम्,डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी,विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक,वाराणसी
5. अभिज्ञानशाकुन्तलम्,डॉ० निरूपण विद्यालंकार,साहित्य भण्डार,मेरठ
6. अभिज्ञानशाकुन्तलम्,डॉ० उमेश चंद्र पाण्डेय,प्राच्य भारतीय संस्थान,गोरखपुर
7. छन्दोऽलङ्कारसौरभम् , डॉ.सावित्री गुप्ता ,विद्यानिधि प्रकाशन ,दिल्ली
8. महाकवि कालिदास,डॉ० रामजी उपाध्याय,संस्कृत परिषद्,सागर विश्वविद्यालय,सागर
9. कालिदास की लालित्य योजना, डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी,नैवेद्य निकेतन,वाराणसी
10. रङ्गमञ्च एवं अभिनयकला, डॉ० रूबी,डॉ० अभय कुमार,इन्दु प्रकाशन, नई दिल्ली
11. संस्कृतनाट्य: अभिनय एवं पटकथा-लेखन ,डॉ० मीरा द्विवेदी,परिमल पब्लिकेशन्स,दिल्ली
12. नाट्य विज्ञान(प्रथम भाग), डॉ० अजय कुमार झा, इंटेलेक्चुअल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली
13. कालिदास ग्रंथावली, सीताराम चतुर्वेदी,भारत प्रकाशन मन्दिर,अलीगढ़
14. महाकवि कालिदास और अभिज्ञानशाकुन्तलम्(एक शस्त्रीय समीक्षा)डॉ० घनश्याम अग्रवाल,हिन्दी साहित्य भण्डार,लखनऊ
15. महाकवि कालिदास की भाषा का काव्यात्मक वैशिष्ट्य, पूर्णेन्दु नारायण सिन्हा, आदित्य बुक सेंटर, वाराणसी
16. Shakuntala An Ancient Hindu Drama,Pischel,Richard,Harvard University Press
17. Abhigyanshakuntalam, C.R. Devadhar (Ed.), Motilal Banarsidas, Delhi
18. Abhigyanshakuntalam, M.R. Kale (Ed.), Motilal Banarsidas, Delhi
19. Kalidasa A Critical Study,A.D.Singh,Bhartiya Vidya Prakashan,Varansi

सेमेस्टर-V **24-SAN-C-300**	**व्याकरणशास्त्रम् : लघुसिद्धान्तकौमुदी-II** **Grammar : Laghusiddhantakaumudi-II**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण एवं संस्कृत व्याकरण के अन्तर्गत सन्धि, समास, कारक का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से संस्कृत शब्दरूपों (सुबन्त) एवं धातुरूपों (तिङन्त) की सिद्धि प्रक्रिया, अव्ययों, स्त्रीप्रत्ययों एवं धातुओं के अन्य प्रकारों-णिजन्त, सन्नन्त, यङन्त, यङलुगन्त, नामधातु के स्वरूप तथा उनके अनुप्रयोगों का सम्यक् अवबोधन कर सकेंगे।

इकाई 01:	सुबन्त प्रकरण- (प्रत्येक प्रकरण से चयनित शब्दरूपों की सिद्धि-प्रक्रिया एवं सूत्रों की व्याख्या) अजन्तपुँल्लिङ्ग : राम, सर्व, हरि, सखि अजन्तस्त्रीलिङ्ग : रमा, सर्वा अजन्तनपुंसकलिङ्ग : ज्ञान, वारि हलन्तपुँल्लिङ्ग : तद्, युष्मद्, अस्मद् हलन्तस्त्रीलिङ्ग : इदम् हलन्तनपुंसकलिङ्ग : इदम्
इकाई 02:	तिङन्त- भ्वादिप्रककरण (भू, एध् धातु के रूपों की सिद्धि-प्रक्रिया एवं सूत्रों की व्याख्या), उपसर्ग, तद्धित (मत्वर्थीय-मतुप्, इनि)
इकाई 03:	तिङन्त(प्रक्रिया) णिजन्तप्रक्रिया, सन्नन्तप्रक्रिया, यङन्तप्रक्रिया, यङलुगन्तप्रक्रिया, नामधातु (प्रत्येक प्रकरण की प्रतिनिधि धातुओं से शब्दनिर्माण एवं उनका अनुप्रयोग)
इकाई 04:	स्त्रीप्रत्यय

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी (मूलपाठ), गीताप्रेस, गोरखपुर
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी-भैमी व्याख्या (भाग-1-6) भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी (मूल एवं हिन्दी व्याख्या), धरानन्द शास्त्री (हि.व्या.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी (मूल एवं हिन्दी व्याख्या), गोविन्द प्रसाद शर्मा (हि.व्या.), चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. रूपचन्द्रिका, पं. रामचन्द्र झा, चौखम्भा संस्कृत पुस्तकालय, बनारस
6. Higher Sanskrit Grammar, M.R. Kale, Motilal Banarsidas, Delhi
7. The Laghusiddhantakaumudi of Varadaraja (Vol. 01& 02) Kanshiram, Motilal Banarsidas, Delhi

सेमेस्टर-V 24-SAN-C-301	न्याय-वैशेषिकदर्शनम् : तर्कसङ्ग्रहः **Philosophy of Nyaya-Vaisheshika: Tarkasangraha**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण एवं भारतीय दर्शन की पृष्ठभूमि का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* न्याय -वैशेषिक दर्शन के मौलिक सिद्धान्तों से परिचित होंगे । * न्याय-वैशेषिक दर्शन के प्रमाण एवं प्रमेय का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 01:	तर्कसंग्रह : पदार्थ विवेचन- द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय, अभाव (‘निधाय हृदि विश्वेशं.....अन्योन्याभावश्चेति।’ पर्यन्त) तर्कसंग्रह : द्रव्य निरूपण- पृथ्वी, अप्, तेज, वायु, आकाश, काल, दिक्, आत्मन्, मन (‘तत्र गन्धवती पृथिवी.....सुखाद्युपलब्धिसाधनमिन्द्रियं मनः। ’ पर्यन्त)
इकाई 02:	तर्कसंग्रह : गुण प्रकरण - रूप से बुद्धि पर्यन्त । (चक्षुर्मात्रग्राह्यो गुणो रूपम्.....तदेव करणम् ।’)
इकाई 03:	तर्कसंग्रह : प्रमाण -प्रत्यक्ष एवं अनुमान, उपमान। (तत्र प्रत्यक्षज्ञानकरणं प्रत्यक्षं.....उपमितिकरणमुपमानम्।’ पर्यन्त)
इकाई 04:	तर्कसंग्रह : शब्द प्रमाण से ग्रन्थ समाप्ति पर्यन्त। (‘आप्तवाक्यं शब्दः.....सप्तैव पदार्था इति सिद्धम्।’ पर्यन्त)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तर्कसंग्रह (दीपिका एवं न्यायबोधिनी टीका), अन्नमम्भट्ट मुंबई
2. तर्कसंग्रह, नरेन्द्रकुमार (संपा), हंसा प्रकाशन, जयपुर भारतीय दर्शन, वाचस्पति गैरोला ,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. तर्कसंग्रह (दीपिका सहित) दयानंद भार्गव, मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली
4. भारतीय धर्म एवं दर्शन, बलदेव उपाध्याय,चौखम्बा ओरियन्टालिया, वाराणसी
5. भारतीय दर्शन, पारसनाथ द्विवेदी, आगरा
6. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा , मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
7. M. Hiriyanna, Outline of Indian Philosophy, London
8. Radhakrishnan, S., Indian Philosophy, Oxford University Press, Delhi
9. Dasgupta S.N., History of Indian philosophy cambridge University press Cambridge
10. Chatterjee, S.C. & Dutta D.M.- Introduction of Indian Philosophy, Culcutta
11. Pandey R.C.- Panorama of Indian Philosophy, MLBD, Delhi

सेमेस्टर-V **24-SAN-C-302**	**संस्कृतसाहित्यशास्त्रसमालोचना** **Sanskrit Poetics and Criticism**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण,संस्कृत काव्यशास्त्र का सामान्य ज्ञान,रस,छन्द,एवं अलंकार इत्यादि का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* काव्य शास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे। * संस्कृत काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे। * काव्यप्रयोजन एवं शब्दशक्ति का परिचय प्राप्त कर सकेंगे । * संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौन्दर्य का बोध कर सकेंगे। * छन्द भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे। * कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

इकाई 01:	**काव्यदीपिका**-प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय शिखा : काव्यप्रयोजन, काव्यलक्षण, वाक्यस्वरूप, पदस्वररूप, शब्दविभाग, अर्थविभाग, शब्दशक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, ध्वनि एवं उसके भेद, रसस्वररूप और भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्रकाव्य
इकाई 02:	**काव्यदीपिका**- चतुर्थ,पञ्चम एवं षष्ठ शिखा : काव्यभेद, दृश्य एवं श्रव्य, नायक के लक्षण, अंङ्क लक्षण, पूर्वरङ्ग, प्रस्तावना, कथोद्घात, प्रयोगातिशय लक्षण, प्रवृत्तलक्षण, अवगलित, पताकास्थानक, अर्थोपक्षेपक, संधियाँ, महाकाव्य एवं खण्डकाव्य लक्षण, गद्यलक्षण, चम्पूलक्षण, दोषस्वरूप, पदगत, वाक्यगत दोष, अर्थदोष, रसदोष, गुणस्वरूप:माधुर्य, ओज, प्रसाद
इकाई 03:	**काव्यदीपिका**- सप्तम शिखा एवं अष्टम शिखा : रीति और उसके भेद, अलंकार-स्वरूप, शब्दालंकार (अनुप्रास, यमक, श्लेष), अर्थालंकार (स्वभावोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, व्यतिरेक, निदर्शना, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, तुल्ययोगिता, दीपक, सन्देह, भ्रान्तिमान् , अपह्नुति, समासोक्ति)
इकाई 04:	**संस्कृत छन्दों का परिचय :** अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, मन्दाक्रान्ता, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, स्रग्धरा, शार्दूलविक्रीडित, भुजङ्गप्रयात।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. काव्यदीपिका, विद्यारत्न कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. काव्यदीपिका ,डॉ० बाबूराम त्रिपाठी,विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा
3. छंदोमञ्जरी,पं० परमेश्वर दीन पाण्डेय,चौखम्बा कृष्णदास अकादमी,वाराणसी
4. छंदोमञ्जरी,श्री पण्डित हरिदत्त शास्त्री,श्री पण्डित शङ्करदेव पाठकश्च ,चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय,वाराणसी
5. अलंकारशास्त्र की परम्परा, राजवंश सहाय 'हीरा', चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. भारतीय आलोचना शास्त्र, राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
7. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, पी.वी. काणे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
8. संस्कृत आलोचना, बलदेव उपाध्याय, हिन्दी समिति, सूचना विभाग-उत्तर प्रदेश, लखनऊ
9. History of Sanskrit Poetics, S.K. De, K.L. Farma, Calcutta
10. History of Sanskrit Poetics, P.V. Kane, Motilal Banarasidas, Delhi

सेमेस्टर-VI **24-SAN-C-350**	**पाणिनिव्याकरणस्य मूलभूतसिद्धान्ताः** **Basic Principles of Paninian Grammar**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण एवं संस्कृत व्याकरण के अन्तर्गत सन्धि, समास, कारक, सुबन्त, तिङन्त, कृदन्त, तद्धित स्त्रीप्रत्यय का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* संस्कृत व्याकरणशास्त्र की परम्परा में पाणिनीय व्याकरण का महत्त्वपूर्ण स्थान है। व्याकरणशास्त्र की अनेक परम्पराएँ प्राचीनकाल में प्रचलित थीं। जिनमें पाणिनीय व्याकरण अपने विशिष्ट गुणों के कारण संस्कृत साहित्य में सर्वाधिक ग्राह्य व्याकरण है। पाणिनीय व्याकरण को पल्लवित एवं पुष्पित करने में पाणिनि, कात्यायन एवं पतञ्जलि नामक तीन मुनियों का योगदान रहा है। परम्परा में ये 'त्रिमुनि' के नाम से प्रसिद्ध हैं, अतः इसे 'त्रिमुनिव्याकरण' भी कहा जाता है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण के मौलिक सिद्धान्तों का सम्यक् अवबोधन करने में समर्थ हो सकेंगे।

इकाई 01:	व्याकरणशास्त्र का स्वरूप, उद्भव, विकास एवं महत्त्व व्याकरणशास्त्र की परम्परा : स्फोटायन, औदुम्बरायण, व्याडि, पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि, वसुरात, भर्तृहरि, वृषभदेव, पुण्यराज, हेलाराज, कौण्डभट्ट, नागेश भट्ट, भट्टोजीदीक्षित, वरदराजाचार्य
इकाई 02:	पाणिनि व्याकरण की संरचना : सूत्र, वार्तिक, भाष्य, उपदेश, अनुवृत्ति, अनुबन्ध, अध्याहार, लोप, अधिकार, अन्तरङ्ग, बहिरङ्ग, उत्सर्ग, अपवाद, असिद्ध, विभाषा
इकाई 03:	व्याकरणशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त : शब्द, अर्थ, शब्दार्थ सम्बन्ध, स्फोट, ध्वनि, शाब्दबोध
इकाई 04:	व्याकरणमहाभाष्य-पस्पशाह्निक : शब्द की परिभाषा, शब्द एवं अर्थ का सम्बन्ध, व्याकरण के अध्ययन के प्रयोजन, व्याकरण की परिभाषा, साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम, व्याकरण की पद्धति

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. अष्टाध्यायीसूत्रपाठ (मूल एवं हिन्दी व्याख्या) श्रीनारायण मिश्र (हि.व्या), चौखम्भा पब्लिशर्स, वाराणसी
2. अष्टाध्यायी सहजबोध (6 खण्डों में), डॉ. पुष्पा दीक्षित, प्रतिभा प्रकाशन दिल्ली
3. पाणिनीयव्याकरणमहाभाष्य, पतञ्जलि, सम्पादक-श्री भार्गव शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
4. व्याकरणमहाभाष्य-पश्पशाह्निक, पतञ्जलि, हिन्दी अनु.-डॉ. रमाकान्त पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
5. स्फोटतत्त्वमीमांसा, डॉ. शिवकान्त झा, दधीमथी प्रकाशन, जयपुर
6. स्फोटवादविवेचनम्, डॉ. श्रीकृष्णमणित्रिपाठी, सम्पादकः- डॉ. श्रीपति अवस्थी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
7. भाषाविज्ञान की भारतीय परम्परा और पाणिनि, डॉ. रामदेव त्रिपाठी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
8. संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास(1-2 भाग), युधिष्ठिर मीमांसक, शान्तिस्वरूप कपूर रामलाल कपूर ट्रस्ट प्रेस, बहालगढ, हरियाणा
9. सस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास, सत्यकाम वर्मा, मोतीलाल, बनारसी दास, दिल्ली
10. शब्दार्थमीमांसा, डॉ. गौरीनाथ शास्त्री, हिन्दी अनुवादक- श्री मिथिलेश त्रिपाठी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी
11. स्फोटदर्शन, पं. रङ्गनाथ पाठक, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

सेमेस्टर-VI **24-SAN-C-351**	**वेद** **Veda**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण तथा वैदिक वाङ्मय से परिचित एवं उसमें रूचि अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* वेद समस्त ज्ञान-विज्ञान के आधारभूत ग्रन्थ के रूप में समादृत हैं। वैदिक संहिताओं के इन चयनित सूक्तों के अध्ययन से विद्यार्थी इन सूक्तों में निहित ज्ञान, विज्ञान एवं आध्यात्मिक तत्त्वों से परिचित हो सकेंगे। वैदिक व्याकरण के अध्ययन द्वारा मन्त्रगत वैदिक पदों के अर्थ एवं वैदिक भाषागत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 01:	वेद-साहित्य : संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्
इकाई 02:	अग्नि सूक्त (ऋग्वेद-1.1), विष्णु सूक्त (ऋग्वेद 1.154), इन्द्र सूक्त (ऋग्वेद-2.12), अक्ष सूक्त (ऋग्वेद-10.34), पुरुषसूक्त (ऋग्वेद 10.90), हिरण्यगर्भसूक्त (ऋग्वेद 10.121) नासदीय सूक्त (ऋग्वेद-10.129) : देवता विषयक टिप्पणी, संहिता पाठ, पदपाठ, अन्वय, निरुक्ति, सायणभाष्य, व्याकरणात्मक टिप्पणी
इकाई 03:	शिवसङ्कल्प सूक्त (यजुर्वेद 34.1-6), राष्ट्राभिवर्धन सूक्त (अथर्ववेद 1.29) भूमि सूक्त (अथर्ववेद 12.1-12), सामनस्य सूक्त (अथर्ववेद 3.30) देवता विषयक टिप्पणी, संहिता पाठ, पदपाठ, अन्वय, निरुक्ति, सायणभाष्य, व्याकरणात्मक टिप्पणी
इकाई 04:	वैदिकव्याकरण: - वैदिक सन्धि (आन्तरिक एवं बाह्य), शब्दरूप एवं धातुरूप, तुमर्थकप्रत्यय, त्वार्थक प्रत्यय, वैदिक स्वर एवं पदपाठ, वैदिक लेट् लकार

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. ऋकसूक्त संग्रह, हरिदत्त शास्त्री एवं कृष्ण कुमार (सम्पा.), साहित्य भण्डार, मेरठ
2. ऋक्भाष्य संग्रह, देवराज चानना (सम्पा.), मुंशीराम मनोहरलाल, दिल्ली
3. वैदिक सङ्ग्रह ,डॉ० कृष्णलाल, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
4. वेदवल्लरी, पुष्पा गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
5. वेदचयनम् , चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. वैदिक व्याकरण, उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
7. वैदिक व्याकरण, राम गोपाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8. ईशादि नौ उपनिषद् (शाङ्करभाष्य सहित), टीकाकार-हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीताप्रेस, गोरखपुर
9. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय

सेमेस्टर-VI **24-SAN-C-352**	**साहित्यशास्त्रम् : साहित्यदर्पण:** **Poetics : Sahityadarpana**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण, संस्कृत काव्यशास्त्र का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* काव्य शास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे। * साहित्यिक सौन्दर्यबोध से अवगत होंगे। * संस्कृत भाषा और साहित्य में प्रवीणता होगी। * कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

इकाई 01:	प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद: मङ्गलाचरण, काव्यप्रयोजन, काव्यस्वरूप, गुणदोष स्वरूप, पद वाक्य लक्षण, अर्थ एवं उसके भेद : अभिधेय, लक्ष्य, व्यङ्ग्य, शब्दशक्ति विवेचन
इकाई 02:	तृतीय परिच्छेद : रस स्वरूप एवं भेद , नायक-नायिका लक्षण एवं भेद विवेचन,नायक-नायिका सहायक विवेचन
इकाई 03:	चतुर्थ परिच्छेद :ध्वनिकाव्य, गुणीभूतव्यङ्ग्य काव्य, चित्रकाव्य
इकाई 04:	षष्ठ परिच्छेद : रूपक एवं उसके भेद, नाटक के लक्षण एवं अङ्ग -पारिभाषिक शब्दावली: नान्दी, प्रस्तावना, जनान्तिक, नाटिका, अर्थोपक्षेपक, पञ्चकार्यावस्थाएँ, अर्थप्रकृति, पञ्चसन्धियाँ, वृत्तियाँ, कथा एवं आख्यायिका, श्रव्यकाव्य एवं उसके भेद तथा अवशिष्ट भाग का अध्ययन

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. साहित्यदर्पण-विश्वनाथ, शालिग्राम शास्त्री (व्या.), मोतीलाल बनारसीदास, 2004
2. साहित्यदर्पण-विश्वनाथ, निरूपणविद्यालंकार (व्या.), साहित्य भण्डार, मेरठ
3. साहित्यदर्पण,विश्वनाथ,सत्यव्रत सिंह(व्या०),चौखम्बा विद्या भवन ,वाराणसी
4. संस्कृत साहित्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. साहित्य शास्त्रकोश, राजवंश सहाय 'हीरा' बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
6. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त,डॉ० कृष्ण देव झारी,नालन्दा प्रकाशन,नई दिल्ली
7. भारतीय काव्यशास्त्र,एस के डे ,बिहार,हिन्दी ग्रन्थ प्रकाशन,बिहार
8. नाट्यशास्त्रम् ,पण्डित बटुकनाथ शर्मा तथा बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा संस्कृत सीरीज,बनारस
9. नाट्यशास्त्रम्,श्री मधुसूदन शास्त्री,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय,संस्कृत साहित्य अनुसंधान,वाराणसी
10. काव्यशास्त्र के परिदृश्य ,सत्यदेव चौधरी,परिमल पब्लिकेशन,दिल्ली ,1994
11. अलंकार शास्त्र का इतिहास, कृष्ण कुमार, ज्ञान मण्डल, मेरठ
12. साहित्य सिद्धान्त, पं. सीताराम शास्त्री, (सं.) पं. शिवनारायण शास्त्री, संस्कृत ग्रन्थागार, दिल्ली- 2004
13. History of Sanskrit Poetics (also Hindi tr.), SK Dey, Firma KLM Pvt. Ltd., Calcutta, 2nd Edition, 1960, Reprint 1976
14. History of Sanskrit Poetics (also Hindi tr.), PV Kane, MLBD, Delhi, 2002
15. Some Concepts of Alankarshastra, V. Raghvan, Madras,1942
16. Studies on Some Concepts of Alankarshastra, V Raghavan, Adyar Library, Madras
17. A History of Indian Literature,M.Winternitz,University of Calcutta,ii edition,1959
18. Comparative Aesthetics (Swatantra Kala Shastra), KC Pandey, Chaukhamba Sanskrit, Series Office, Varanasi.

सेमेस्टर-VI **24-SAN-C-353**	**आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम्** **Modern Sanskrit Literature**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण, संस्कृत साहित्य का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* आधुनिक संस्कृत साहित्य का ज्ञान हो सकेगा। * संस्कृत में अनुप्रयुक्त संस्कृत रस, अलंकारादि का ज्ञान होगा। * आधुनिक संस्कृत साहित्यकारों से परिचय हो सकेगा।

इकाई 01:	जानकी वल्लभ शास्त्री (भारतीयवसंतगीतिः), प्रो० श्रीनिवास रथ (कोमा कविता, तदेव गगनं सैव धरा), प्रो० हरिराम आचार्य (संकल्प गीतिः), डॉ. पुष्पा दीक्षित (नरास्ते के, ब्रूहि कोऽस्मिन् युगे कालिदासायते), प्रो० वेदकुमारी घई (कृषकश्रमिकभिक्षुकाः), हर्षदेवमाधव- हाइकू (स्नानेगृहे, वेदना, खवाति), शतावधानी आर गणेश (वर्षाविभूतिः, कविविषादः)
इकाई 02:	डॉ. रमाकान्त शुक्ल (भाति मे भारतम्-15 पद्यानि), प्रो० जगदीश प्रसाद सेमवाल (विडम्बना-विलासः पद्य 1-4, 9, 13, 16-19, 21, 28, 29, 33, 36, 37), प्रो० हरिदत्त शर्मा (उलूकोत्थानम्), प्रो० सी. नारायण रेड्डी (प्रपञ्चपदी), प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी (गीतधीवरम्-प्रथमसर्गगीति-4, नौकामिह सारम्), शिवजी उपाध्याय (कुम्भशतकम्)
इकाई 03:	आधुनिक संस्कृत गद्यकाव्य एवं नाटक : प्रो० राजेन्द्र मिश्र (शतपर्विका), प्रो. भागीरथी नन्द (वक्रसरलता), पं. मदन मोहन झा (मालाकारः)
इकाई 04:	नाटक- घनश्याम माणिकलाल त्रिवेदी (अर्थो हि पुत्रःपरकीय एव), प्रो० वि. राघवन (अनार्कली)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. तदेव गगनं सैव धरा (काव्य संग्रह), श्रीनिवास रथ, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
2. विंशशताब्दी-संस्कृत-काव्यामृतम्-भाग 01 संकलन, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली
3. संस्कृत साहित्य:बीसवीं शताब्दी, प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी , राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
4. परीवाहः, बलराम शुक्ल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
5. आधुनिक संस्कृत साहित्य संचयन, डॉ. गिरीशचन्द्र पन्त (सम्पा.), विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008
6. आधुनिक संस्कृत साहित्य, मैत्रेयी कुमारी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
7. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य, राजमंगल यादव, जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8. आधुनिक संस्कृत साहित्य, दयानन्द भार्गव, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
9. आधुनिक संस्कृत साहित्य, हीरालाल शुक्ल, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
10. वक्रसरलता, भागीरथी नन्द, संस्कृत प्रतिभा, उन्मेष -54, जनवरी-मार्च 20
11. मालाकार:(कथा संग्रहः), पं. मदन मोहन झा, (संपा.मोहन भारद्वाज) बिहार राज्य संस्कृत अकादमी,पटना
12. विंशशताब्दी-संस्कृत-काव्यामृतम्-भाग 01, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली
13. Sanskrit Dramas of the Twentieth Century, Satyavrat Usha, Mehar Chand Lachmanandas, Delhi

सेमेस्टर-VII **24-SAN-C-400**	**यास्ककृतनिरुक्तम्** **Nirukta of Yaska**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक तृतीय वर्ष उत्तीर्ण, संस्कृत व्याकरण एवं वैदिक वाङ्मय का ज्ञान अपेक्षित ।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* वेद के मन्त्रों का ज्ञान तब तक पूर्ण रूप से नहीं हो सकता जब तक मन्त्रों में आये हुए वैदिक पदों की निरुक्ति न हो जाये। वेदार्थज्ञान के लिए महर्षि यास्ककृत निरुक्त का अन्यतम स्थान है। जिस प्रकार शास्त्रों में शब्दज्ञान व्याकरणशास्त्र द्वारा होता है, उसी प्रकार वैदिक मन्त्रों का अर्थज्ञान निरुक्त के द्वारा होता है। निरुक्त के सम्यक् अध्ययन से वेदार्थ ज्ञान प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगे।

इकाई 01:	• निरुक्त एवं वैदिक वाङ्मय • निरुक्त एवं निघण्टु का स्वरूप • निरुक्त की शैली • निरुक्त एवं व्याकरण • निरुक्त एवं भाषाविज्ञान • यास्क की निर्वचन शैली • निर्वचन शास्त्र की परम्परा
इकाई 02:	निरुक्त : अध्याय-1
इकाई 03:	निरुक्त : अध्याय-2
इकाई 04:	निरुक्त : अध्याय-7

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. निरुक्त-यास्क, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'(सम्पा.), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1961
2. वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. राममूर्ति शर्मा, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 1987
3. वैदिक साहित्य का इतिहास, प्रो. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. Nighantu and the Nirukta (Critically Edited with English Tr.), Lakshman Swaroop, MLBD, Delhi, 1967
5. Yaska's Nirukta and The Science of Etymology: An Historical and Critical Survey by Bishnupada Bhattacharya, K.L. Mukhopadhyay, Calcutta, 1958.
6. Vedic Mythology (Vaidika Devashastra), AA Macdonell, MLBD, Delhi, 1962

सेमेस्टर-VII **24-SAN-C-401**	**वेदान्तदर्शनम् : वेदान्तसारः** **Vedanta Philosophy: Vedantasara**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कनः 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षाः 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक तृतीय वर्ष उत्तीर्ण एवं भारतीय दर्शन की पृष्ठभूमि का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* वेदान्त दर्शन के सिद्धांतों को समझ सकेंगे। * अद्वैत वेदान्त के मूलभूत तत्त्वों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई 01:	वेदान्त दर्शन की परम्परा एवं सम्प्रदाय।
इकाई 02:	अधिकारी, अनुबन्धचतुष्टय निरूपण, अध्यारोप निरूपण। (वेदान्तसार : 'अखण्डं सच्चिदानन्दं.....असर्पभूतायां रज्जौ।' पर्यन्त)
इकाई 03:	अज्ञान का स्वरूप, अज्ञान की शक्तियाँ, सृष्टिक्रम, सूक्ष्मशरीर, पञ्चीकरण, स्थूलप्रपञ्च उत्पत्ति, स्थूल प्रपञ्च, महाप्रपञ्च निरूपण । (वेदान्तसार : 'इदमज्ञानं समष्टि.....वस्तुन्यवस्त्वारोपोऽध्यारोपः सामान्येन प्रदर्शितः।' पर्यन्त)
इकाई 04:	आत्मस्वरूप, अपवाद, महावाक्यार्थ, वृत्तियाँ-श्रवण, मनन, निदिध्यासन एवं समाधि, जीवनमुक्ति एवं विदेहमुक्ति। (वेदान्तसार : 'इदानीं प्रत्यगात्मनि.....'विमुक्तश्च विमुच्यताम्' इत्यादिश्रुतेः ।' पर्यन्त)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. भारतीय धर्म एवं दर्शन, बलदेव उपाध्याय ,चौखम्बा ओरियन्टालिया, वाराणसी
2. वेदान्तसार सदानन्दयोगीन्द्र, आद्या प्रसाद मिश्र (व्या.), अक्षयवट प्रकाशन, प्रयागराज, प्र.सं. 1999
3. वेदान्तसार-सदानन्द, आचार्य बद्रीनाथशुक्ल (व्या.), मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी, 1979
4. वेदान्तसार-सदानन्द, राममूर्ति शर्मा (व्या.), ईस्टन बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2001
5. History of Indian Philosophy, S.N. Das Gupta, MLBD, Delhi, 1975.
6. Indian Philosophy, S. Radhakrishnan, OUP, Delhi, 1990.
7. Outline of Indian Philosophy, M. Hiriyana, London, 1956 (also Hindi Translation)
8. Philosophy of Advaita, T.M.P Mahadevan, Bharatiya kala Prakashan, Delhi 2006.

सेमेस्टर-VII **24-SAN-C-402**	**साहित्यम् : मेघदूतम्** **Literature: Meghadutam**
क्रेडिट :04	**कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)**
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक तृतीय वर्ष उत्तीर्ण,संस्कृत गीतिकाव्य एवं मेघदूतम् का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* काव्य सौन्दर्य का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। * गीतिकाव्य के विषय में जान सकेंगे। * यह गीतिकाव्य भारतीय संस्कृति,भौगोलिक परिवेश और प्राचीन जीवन शैली से परिचित कराएगा। * संस्कृत भाषा और साहित्य में प्रवीणता होगी। * कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

इकाई 01:	पूर्वमेघ : श्लोक 1-29 अनुवाद,व्याख्या,कथास्रोत,समालोचनात्मक समीक्षा
इकाई 02:	पूर्वमेघ : श्लोक 30-63 अनुवाद,व्याख्या,कथास्रोत,समालोचनात्मक समीक्षा
इकाई 03:	उत्तरमेघ : श्लोक 1-24 अनुवाद,व्याख्या,कथास्रोत,समालोचनात्मक समीक्षा
इकाई 04:	उत्तरमेघ : श्लोक 25-52 अनुवाद,व्याख्या,कथास्रोत,समालोचनात्मक समीक्षा

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. मेघदूतम्,(व्या.)रमाशंकर त्रिपाठी एवं जनार्दन शास्त्री पाण्डेय,मोतीलाल बनारसी दास,दिल्ली
2. मेघदूतम् ,प्रो० राजेश्वर प्रसाद मिश्र,निर्मल पब्लिशिंग हाउस,कुरुक्षेत्र
3. मेघदूतम्,(संजीवनी टीका)गोपाल रघुनाथ,नन्दगिर्कर,बम्बई
4. मेघदूतम्,प्रो० वेद प्रकाश डिंडोरिया,उपासना पब्लिकेशन,दिल्ली
5. मेघदूतम्,डॉ० राकेश शास्त्री,चौखम्भा ओरियन्टालिया,दिल्ली
6. मेघदूत भाष्य और महाकवि कालिदास,डॉ० भगवतीलाल राजपुरोहित, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली
7. मेघदूत एक अध्ययन,श्री वसुदेव शरण अग्रवाल,राजकमल प्रकाशन,बम्बई
8. मेघदूत एक अनुचिंतन,श्री रंजनसूरिदेव,नागरी प्रकाशन,पटना
9. कालिदास के लालित्य प्रयोग,डॉ० बाबूराम यादव,विद्या प्रकाशन,अलीगढ़
10. कालिदास का प्रकृति चित्रण,निर्मल उपाध्याय,नीलम प्रकाशन,इलाहाबाद
11. कालिदास का भारत(भाग 1 -2)भगवत शरण उपाध्याय,भारतीय ज्ञानपीठ,काशी
12. कालिदास की लालित्य योजना,हजारी प्रसाद द्विवेदी,नैवेद्य निकेतन,वाराणसी
13. कालिदास एक अनुशीलन,श्री देवदत्त शास्त्री,चौखम्बा विद्या भवन ,वाराणसी
14. Meghdutam of Kalidasa,Dr.Ajit Tripathi, P.C.Tripathi,Shubhi Publications,Gurgaon
15. The Colours Of Meghduta,Dr.Dhrubajit Sarma,Abhishek Prakashan,Delhi
16. Kalidas's Imagery in the Meghduta,K.C.Roychowdhury,The University of Burdwan
17. The Cloud Of Longing, E.H.Rick Jarow,Oxford Univesrsity,Press

सेमेस्टर-VII **24-SAN-C-403**	**संस्कृतानुसन्धानपद्धतिः लघुप्रबन्धलेखनं च** **Research Methodology for Sanskrit Studies and Dissertation Writing**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (लघुप्रबन्ध लेखन : 50 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 50 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक तृतीय वर्ष उत्तीर्ण। संस्कृत भाषा एवं साहित्य का ज्ञान अपेक्षित ।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* विद्यार्थी संस्कृत शोध की पद्धति को जान सकेंगे। जिसके माध्यम से वे संस्कृत साहित्य की प्राचीनतम ज्ञानपरम्परा को जानने में सक्षम होंगे। संस्कृत साहित्यविषयक अग्रिम शोधकार्य के प्रति उन्मुख हो सकेंगे।

इकाई 01:	अनुसन्धान एवं आलोचना (Research and Criticism), शोध का स्वरूप (Nature of Research), संस्कृत में शोध के क्षेत्र एवं उद्देश्य (Field and Objective of Research in Sanskrit), शोध विषय का चयन (Selection of Subject), विषय चयन का औचित्य (Justification of Subject), शोधप्रबंध के घटक तत्त्व और शोध पद्धति (Selection of topics , title , synopsis and its types, Research Method) , सामग्री संकलन के प्रमुख स्रोत- भारत एवं विदेशों में (Sources of Material collection in India and abroad)
इकाई 02:	शोध के साधन (Instruments of Research), पाठालोचन के सिद्धान्त (Principles of Textual Criticism), लिप्यन्तरण के नियम (Rules of Transliteration), आधुनिक परिप्रेक्ष्य में संस्कृत में शोध की आवश्यकता एवं उपयोगिता (Importance of Sanskrit Research in Modern Perspective)
इकाई 03:	लघुप्रबन्धलेखन (Dissertation Writing)
इकाई 04:	

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. संस्कृत शोध-प्रविधि, प्रभुनाथ द्विवेदी एवं सुरेशचन्द्र चौबे, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. संस्कृतशोधपारिजात, सत्यब्रत वर्मा, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
3. समीक्षा सौरभम्, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
4. संस्कृतशोधप्रविधि, आचार्य सत्यनारायण, पुरी
5. अनुसन्धानपद्धतिः, आचार्य भगीरथ प्रसाद त्रिपाठी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
6. शोधविद्याविज्ञानम्, प्रो.रमेश कु.पाण्डेय, श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली
7. Hand Book of Research and Publication Ethics, Nimit Chaowdhary & Sarah Husain, Bharti Publication New Delhi.
8. Elements of Research Methodology in Sanskrit, Keshab Chandra Dash, Chowkhamba Orientalia, Delhi.
9. Writing your Thesis, Paul Oliver, Vistaar Publications, New Delhi.
10. The Literary Thesis: A Guide to Research, Watson George, Oxford University Press.
11. MLA Handbook for Writers of Research Papers, Affiliated East-West Press Pvt. Ltd., New Delhi.
12. Research Design: Qualitative and Quantative Approaches, J. Creswell, Sage, London.
13. The Craft of Research, G.G. Colomb & J.M. Willians, University of Chicago Press, Chicago & London.
14. Splendour of Sanskrit Research, Satyabrata Varma, Eastern book linkers, Delhi.
15. An Introduction to Research and Research Paper, C. Sendors Narcol Brass & Co., New York.

सेमेस्टर-VIII **24-SAN-C-450**	**भाषाविज्ञानं भाषादर्शनं च** **Linguistics and Philosophy of Language**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक तृतीय वर्ष उत्तीर्ण, संस्कृत भाषा, दर्शन एवं साहित्य का ज्ञान अपेक्षित ।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* भाषा विज्ञान को जान सकेंगे। * भाषा की उत्पत्ति को जान सकेंगे । * संसार के भाषा परिवारों से परिचित होंगे । * प्राकृत एव पालि भाषा को जान सकेंगे । * वाक्यपदीय के माध्यम से भाषा दर्शन से अवगत हो सकेंगे।

इकाई 01:	भाषाविज्ञान का परिचय : भाषाविज्ञान का इतिहास , भाषाविज्ञान के मुख्य अङ्ग : ध्वनिविज्ञान, पदविज्ञान, वाक्यविज्ञान और अर्थविज्ञान, प्रमुख ध्वनि नियम, ध्वनि परिवर्तन, संस्कृत ध्वनियों का वर्गीकरण,भाषा विज्ञान की पद्धतियाँ, शब्द शक्तियाँ।
इकाई 02:	भाषा की उत्पत्ति एवं विकास, भाषाओं का वर्गीकरण, भाषाओं के वर्गीकरण में संस्कृत का स्थान, संसार के प्रमुख भाषा परिवार, भारोपीय भाषा परिवार की विशेषताएँ और उनकी शाखाएँ, संस्कृत एवं प्राचीन आर्य भाषाएँ, अवेस्ता और संस्कृत में अन्त: सम्बन्ध, वैदिक-लौकिक संस्कृत, प्राकृत भाषाओं का सम्बन्ध।
इकाई 03:	वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) कारिका 1- 23 (शब्दब्रह्म)
इकाई 04:	वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) कारिका 24- 45 (शब्द, अर्थ, शब्दार्थ-सम्बन्ध एवं स्फोट का स्वरूप)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. भाषा विज्ञान की भूमिका, आचार्य देवेंद्र नाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान-कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, विश्वविद्यालय प्रकाशन ट्रस्ट,वाराणसी
4. सामान्य भाषा विज्ञान, बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग उत्तर प्रदेश
5. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्), आचार्य वामदेव, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
6. वाक्यपदीयम्((ब्रह्मकाण्डम्), पं. रघुनाथशर्मा कृत अम्बाकर्त्री टीका सहित, संपूर्णानन्द संस्कृत , वाराणसी
7. वाक्यपदीयम् ((ब्रह्मकाण्डम्), सूर्यनारायण शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
8. वाक्यपदीयम्((ब्रह्मकाण्डम्), शिवशंकर अवस्थी (हि.व्या.), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
9. भाषातत्त्व और वाक्यपदीय, डॉ सत्यकाम वर्मा, भारतीय प्रकाशन, दिल्ली
10. The Sanskrit Language, T. Burrow, Faber and Faber limited, London
11. Linguistic Introduction to Sanskrit, V. K. Ghosh, Sanskrit Pustak Calcutta.
12. An Introduction to Sanskrit Linguistics, M. Shreeman Narayan Moorthy, VK Publication Delhi, 1984.
13. Elements of Science of Language, Taraporewala, Calcutta University Press, Calcutta
14. A Reader on the Sanskrit Grammarians, J.F. Staal, Motilal Banarsidas, Delhi.

सेमेस्टर-VIII **24-SAN-C-451**	**दर्शनशास्त्रम् : प्रस्थानभेदः** **Philosophy: Prasthanbheda**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक तृतीय वर्ष उत्तीर्ण। संस्कृत भाषा एवं दर्शन का ज्ञान अपेक्षित ।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* प्रस्थानभेद में वर्णित दर्शन के सिद्धांतों को समझ सकेंगे। * प्रस्थानभेद ग्रन्थ के माध्यम से भारतीय दर्शन से अवगत हो सकेंगे।
इकाई 01:	• मधुसूदनसरस्वती विरचित प्रस्थानभेद ग्रन्थ का परिचय • प्रस्थानभेद का कालक्रम, • प्रस्थानभेद : श्रुति, स्मृति, तर्क • वेदान्त, धर्मशास्त्र, मीमांसा का एकीकरण
इकाई 02:	• श्रुति एवं स्मृति प्रस्थान • उपनिषद् प्रमुख विषय और शिक्षाएँ • मधुसूदनसरस्वती द्वारा उपनिषद एवं भगवद्गीता की व्याख्या
इकाई 03:	प्रस्थानभेद ग्रन्थ का पङ्क्तिशः अध्ययन (पृष्ठ सं. 1- 14)
इकाई 04:	प्रस्थानभेद ग्रन्थ का पङ्क्तिशः अध्ययन (पृष्ठ सं. 15-34)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. प्रस्थानभेद, मधुसूदनसरस्वती, व्या. कमल नयन शर्मा, वाणी विलास प्रेस,
2. भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
3. विभिन्न विद्वानों द्वारा उपनिषदों, भगवद्गीता और ब्रह्मसूत्र पर भाष्य
4. प्रिंसिपल उपनिषद्, एस. राधाकृष्णन
5. उपनिषद्संग्रह, पं.जगदीश शास्त्री, मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली
6. सुरेन्द्रनाथ दासगुप्ता द्वारा "भारतीय दर्शन का इतिहास"
7. उपनिषदों का दर्शन, पॉल ड्यूसेन
8. वेदांत : स्वतंत्रता की आवाज, स्वामी विवेकानंद
9. Outline of Indian Philosophy. Hiriyanna, London
10. Indian Philosophy S. Radhakrishnan, Oxford University Press, Delhi
11. History of Indian philosophy, S.N. Dasgupta, Cambridge University press Cambridge
12. Introduction of Indian Philosophy, S. C. Chatterjee & D.M. Dutta, Calcutta.
13. Advaita Vedanta, Ramamurti Sharma, Eastern book Linkars, Delhi
14. Indian and Western Philosophy: A Study in contrasts, Betty Heimann, George Allen and Unwin, Ltd., London.
15. Facets of Indian thought, Betty Heimann, George Allen and Unwin, Ltd., London.

सेमेस्टर-VIII **24-SAN-C-452**	**काव्यं नाटकं च** **Poetry and Drama**
क्रेडिट :04	**कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)**
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक तृतीय वर्ष उत्तीर्ण, संस्कृत भाषा, काव्य, एवं नाटक का सामान्य ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* विद्यार्थी इससे नीति,धर्म और कर्त्तव्य बोध से अवगत होंगे। * नैषधीयचरित महाकाव्य के विषयवस्तु से अवगत हो सकेंगे। * उत्तररामचरितम् नाटक मानवीय संवेदनाओं को गहराई से समझने में मदद करेगा। * राम का त्याग,सीता का धैर्य और लक्ष्मण का कर्त्तव्यपालन विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगे। * इतिहास, संस्कृति और समाज की परंपराओं की जानकारी मिलेगी। * संस्कृत नाटकों की रचना शैली और नाट्यशास्त्र की समझ विकसित होगी। * संस्कृत भाषा और साहित्य में प्रवीणता होगी। * संस्कृत के संवाद करने में सक्षम होंगे।

इकाई 01:	नैषधीयचरितम् : प्रथम सर्ग-1-50 पद्य पर्यन्त (पद्यों का अनुवाद, व्याख्या, व्याकरणात्मक टिप्पणी, आलङ्कारिक समीक्षा)
इकाई 02:	नैषधीयचरितम् : प्रथम सर्ग- 51-100 पद्य पर्यन्त (पद्यों का अनुवाद, व्याख्या, व्याकरणात्मक टिप्पणी, आलङ्कारिक समीक्षा)
इकाई 03:	उत्तररामचरितम्-प्रथम-तृतीय अङ्क : पद्यों का अनुवाद,व्याख्या,चरित्र चित्रण,नाट्य तत्व समीक्षा, अभिनय शैली
इकाई 04:	उत्तररामचरितम्-चतुर्थ से सप्तम अङ्क पर्यन्त द्रुतवाचन एवं समग्र ग्रन्थ की नाट्यशास्त्रीय समीक्षा

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. नैषधीयचरितम् (प्रथमः सर्गः), श्रीहर्ष, मोहनदेव पन्त (सम्पा. एवं व्या.) मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. उत्तररामचरितम्-भवभूति, आनन्दस्वरूप, जनार्दन शास्त्री पाण्डेय (व्या. एवं सम्पा.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. उत्तररामचरितम्-भवभूति, रमाकान्त त्रिपाठी, वाराणसी
4. Uttarramacharitam, MR Kale, MLDD, Delhi
5. Uttarramacharitam, PV Kane, MLDD, Delhi
6. भवभूति के नाटक, ब्रजवल्लभ शर्मा, मध्य-प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
7. भवभूति और उनका उत्तररामचरितम, रामाश्रय शर्मा, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
8. Bhawabhooti: His Life and Literature, SV Dikshit, CPP, Belgaun
9. Bhawabhooti: His Date, Life and Works, BB Mirashi, MLBD, Delhi
10. Observation on the life and works of Bhavabhuti,R.g.Harshe,Meharchand Lachmandas,Delhi
11. Sanskrit Drama,Bhattacharya Biswanath,Bharat Manisha,Varansi

सेमेस्टर- VIII	**वैदिकचिन्तनपरम्परा**

24-SAN-C-453	**Vedic Thought Tradition**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक तृतीय वर्ष उत्तीर्ण, संस्कृत भाषा एवं वैदिक वाङ्मय का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* भारतीय ज्ञान परम्परा का अवबोध विकसित होगा। * भारत में ऋषियों एवं आचार्यों द्वारा प्रतिपादित शास्त्रीय ज्ञान सम्पदा का विमर्श कर सकेंगे।
इकाई 01:	मन्त्रद्रष्टा ऋषि एवं ऋषिकाएँ (संहिता, ब्राह्मण एवं आरण्यक)
इकाई 02:	औपनिषदिक ऋषि-ऋषिकाएँ एवं संवादात्मक आख्यान
इकाई 03:	वेदभाष्यकारों की चिन्तन परम्परा
इकाई 04:	समसामयिक भारतीय एवं पाश्चात्य वैदिक चिन्तन परम्परा

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. वैदिक विज्ञान एवं भारतीय संस्कृति, गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्,
2. ऋषियों का वैदिक दर्शन, महर्षि दयानंद सरस्वती, आर्य समाज प्रकाशन
3. उपनिषदों में वैदिक चिंतन, डॉ. एस. राधाकृष्णन, हॉर्पर कॉलिन्स, दिल्ली
4. शंकराचार्य और अद्वैत वेदांत, स्वामी माधवानंद, अद्वैत आश्रम, कोलकाता
5. वैदिक रहस्य (The Secret of the Vedas), श्री अरविंद, श्री अरविंद आश्रम, पांडिचेरी
6. ऋग्वेद भाष्य भूमिका, पं. श्रीराम शर्मा आचार्य, गायत्री तीर्थ, हरिद्वार
7. भारतीय धर्म और दर्शन, पं. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
8. प्राचीन भारतीय विचारधारा, डॉ. एस. एन. दासगुप्ता, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9. वैदिक ब्रह्मवाद और ब्रह्मसूत्र, स्वामी करपात्री जी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
10. The Essence of Hindu Tradition and Culture, E-book from Kanchi Periva Forum
11. The Wonder that was India, A. L. Basham
12. The Culture and Civilisation of Ancient India in Historical Outline, D. D. Kosambi.
13. The Secret of the Veda, Sri Aurobindo, Sri Aurobindo Ashram Trust
14. Hindu Dharma - Universal Way of Life, Bhartiya Vidya Bhavan, Mumbai
15. Indian Saints and Mystics, Sri Ramakrishna Mission Institute of Culture.

संस्कृतविभागः जामियामिल्लियाइस्लामिया नवदेहलीस्थः
(राष्ट्रियमूल्याङ्कनपरिषदा A++ श्रेण्या प्रत्यायितः केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)
Department of Sanskrit, Jamia Millia Islamia, New Delhi 110 025
(NAAC Accredited A++ Central University)

संस्कृतस्नातकपाठ्यक्रमसङ्घटनम् (राष्ट्रियशिक्षानीतिम्-2020 आश्रित्य)

Undergraduate Programme in Sanskrit (Based on National Education Policy-2020)

अनुशासन-विशिष्ट-ऐच्छिकम् / Minor Course

Session 2024-25 Onwards — No. of **Credits: 04, Total Marks: 100** (UE-75, IA-25)

Semester	S. No. /Pg. No.	Course Code	Title of the Paper
I	1	24-SAN-M-102	प्रारम्भिकसंस्कृतम् / Elementary Sanskrit
II	2	24-SAN-M-152	कथासाहित्यम् / Katha Literature
III	3	24-SAN-M-202	अनुप्रयुक्तसंस्कृतव्याकरणम् / Applied Sanskrit Grammar
IV	4	24-SAN-M-253	योगदर्शनम् / Philosophy of Yoga
V	5	24-SAN-M-303	आर्षमहाकाव्यम्: रामायणं महाभारतं च / Ancient Epic: Ramayana and Mahabharata
VI	6	24-SAN-M-354	वैदिकधर्मदर्शनम् / Vaidika Dharmadarshana
VII	7	24-SAN-M-403	संस्कृतनाटकम् / Sanskrit Drama
VIII	8	24-SAN-M-454	काव्यशास्त्रम् / Poetics

सेमेस्टर-I **24-SAN-M-102**	**प्रारम्भिकसंस्कृतम्** **Elementary Sanskrit**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* देवनागरी लिपि और संस्कृत भाषा की पृष्ठभूमि को जान सकेंगे। * संस्कृत वार्तालाप एवं सम्भाषण की पृष्ठभूमि तैयार हो सकेगी।

इकाई 01:	देवनागरी लिपि, माहेश्वर सूत्र, संस्कृत वर्णों के उच्चारण स्थान, वाग्व्यवहार : कारक पर आधारित वाक्य संरचना
इकाई 02:	भ्वादिगण की धातुओं के आधार पर वाक्य संरचना एवं सामान्य व्यवहार में प्रयोग (लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् लकारों में परस्मैपद प्रयोग)
इकाई 03:	अव्यय, उपसर्ग, कारक एवं विभक्ति के आधार पर वाक्य संरचना एवं सामान्य व्यवहार में प्रयोग. (लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् लकारों में)
इकाई 04:	संस्कृत वार्तालाप एवं सम्भाषण का अभ्यास, सरल संस्कृत कथाओं के माध्यम से भाषाभ्यास

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. सरलं मानकं संस्कृतम् (https://www.sanskrit.nic.in/data/Simple_Standard_Sanskrit.pdf) (Reports of the Committee Constituted by Rashtriya Samskrit Parishad-GoI for suggesting ways and means of defining Simple Standard Sanskrit)
2. सम्भाषणम् (प्रथमा दीक्षा), वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली
3. वाक्यविस्तरः (प्रथमा दीक्षा), वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली
4. व्यवहारप्रदीपः-प्रथमः भागः (द्वितीया दीक्षा), वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली
5. संस्कृत व्यवहार साहस्री, संस्कृतभारती, नवदेहली
6. स्वयमेव संस्कृत शिक्षणम् , डॉ. जीतराम भट्ट,डॉ. गोस्वामी गिरिधारी लाल शास्त्री प्राच्य विद्या प्रतिष्ठानम्, नई दिल्ली
7. पञ्चतन्त्रकथाः, डॉ. विश्वास, संस्कृतभारती, बेङ्गलूरु
8. व्यूहभेदः (अन्याः कथाश्च), जनार्दन हेगडे, संस्कृतभारती, नवदेहली
9. रुचिराः बालकथाः, डॉ. सुधा मूर्ति (संस्कृतानुवादः- डॉ. नागरत्ना हेगडे), संस्कृतभारती, बेङ्गलूरु
10. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर नौटियाल 'हंस', मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
11. रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
12. संस्कृत सम्भाषण शिक्षक, डॉ.श्रीवत्स शास्त्री, वर्णाश्रम संघ, गुरुकुल प्रभात आश्रम, उत्तर प्रदेश, तृतीय संस्करण
13. मनोगतम् (आकाशवाणीद्वारा जनजागरणम्), संस्कृतानुवादः - सरिता कृष्ण शास्त्री, संस्कृतसंवर्धनप्रतिष्ठानम्, देहली
14. The Students Guide To Sanskrit Composition, V.S. Apte, Chaukhamba Sanskrit Series Office, Varanasi
15. Higher Sanskrit Grammar, M.R. Kale, Motilal Banarsidass, Delhi

सेमेस्टर-II **24-SAN-M-152**	**कथासाहित्यम्** **Katha Literature**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	देवनागरी लिपि और संस्कृत भाषा की पृष्ठभूमि अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* संस्कृत कथासाहित्य के द्वारा संस्कृतभाषा का अभ्यास कर सकेंगे। * कथाओं में अन्तर्निहित जीवन-दर्शन का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 01:	हितोपदेश (पूर्वपीठिका)
इकाई 02:	
इकाई 03:	रुचिराः बालकथाः
इकाई 04:	

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हितोपदेश, विश्वनाथ शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. रुचिराः बालकथाः, डॉ. सुधा मूर्ति (संस्कृतानुवादः- डॉ. नागरत्ना हेगडे), संस्कृतभारती, बेङ्गलूरु
3. हितोपदेश, नारायण राम आचार्य, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
4. संस्कृते अनुदितं समकालिकं कथासाहित्यम्, नारायणदाश, कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक एवं न्यूभारतीय बुक कर्पोरेशन, दिल्ली
5. संस्कृत-कथापञ्चाशिका, देवनागर प्रकाशन, जयपुर
6. संस्कृत-कथा-मालिका, राकेश शास्त्री, चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली

सेमेस्टर-III **24-SAN-M-202**	**अनुप्रयुक्तसंस्कृतव्याकरणम्** **Applied Sanskrit Grammar**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक प्रथम वर्ष उत्तीर्ण एवं संस्कृत भाषा का सामान्य ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* संस्कृत भाषा के लोक व्यवहार में प्रयुक्त होने वाले व्याकरण के अनिवार्य प्राथमिक घटकों (संज्ञा, सन्धि, समास, कारक एवं कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण प्रत्ययों) के ज्ञान तथा उनके अनुप्रयोगों से परिचित हो सकेंगे। * संस्कृत वाक्यनिर्माण प्रक्रिया का ज्ञान करके कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य में वाक्यों का निर्माण करने में समर्थ हो सकेंगे। संस्कृत भाषा के लिखने, पढने एवं समझने में अनुप्रयुक्त संस्कृत व्याकरण का ज्ञान कर सकेंगे।

इकाई 01	संस्कृत वर्णोच्चारण प्रक्रिया तथा वर्णों के आभ्यन्तर एवं बाह्य प्रयत्न, अच् सन्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर): यण्, गुण, अयादि, दीर्घ, वृद्धि , हल् सन्धि : श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व, विसर्ग सन्धि : सत्व, उत्व, रुत्व (चयनित सन्धियों का ज्ञान एवं उनका वाक्य में प्रयोग) समास, कारक, कृदन्त एवं तद्धित के चयनित प्रत्ययों का सामान्य अध्ययन एवं उनका वाक्य में प्रयोग
इकाई 02	शब्दरूप-राम, हरि, सखि, रमा, गुरु, पितृ, फल, वारि, लता, नदी, तद्, एतद्, अस्मद् एवं युष्मद् (चयनित रूपों का कण्ठस्थीकरण एवं इन शब्दों से वाक्यनिर्माण का अभ्यास),धातुरूप- भू, कृ, गम्, ज्ञा, जनि, दृश्, नम्, पठ्, शी, जागृ (लट्, लृट् , लोट्, लङ् एवं विधिलिङ् लकारों में इन धातुओं का कण्ठस्थीकरण एवं उनका वाक्य में प्रयोग)
इकाई 03	कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य में वाक्यनिर्माण एवं अनुप्रयोग (रचनानुवादकौमुदी के आधार पर)
इकाई 04	अव्यय, उपसर्ग, कारक एवं उपपद विभक्ति के आधार पर वाक्य संरचना का अध्ययन एवं वाक्य में इनके प्रयोग का अभ्यास (लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् लकारों में)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी (मूल एवं हिन्दी व्याख्या), धरानन्द शास्त्री (हि.व्या.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. व्यवहारप्रदीपः-प्रथमः भागः (द्वितीया दीक्षा), वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली
3. संस्कृत शिक्षण सरणी , आचार्य रामप्रताप शास्त्री
4. संस्कृत व्यवहार साहस्री , संस्कृत भारती ,माता मंदिर गली ,झंडेवालान ,नई दिल्ली
5. रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. स्वयमेव संस्कृतशिक्षणम् , डॉ. जीतराम भट्ट, डॉ. गोस्वामी गिरिधारी लाल शास्त्री प्राच्य विद्या प्रतिष्ठानम्, नई दिल्ली
7. रूपचन्द्रिका, पं. रामचन्द्र झा, चौखम्भा संस्कृत पुस्तकालय, बनारस
8. Higher Sanskrit Grammar, M.R. Kale, Motilal Banarsidas, Delhi
9. Laghusiddhantakaumudi (Vol. 01) Kanshiram, Motilal Banarsidas, Delhi

सेमेस्टर-IV **24-SAN-M-253**	**योगदर्शनम्** **Philosophy of Yoga**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक प्रथम वर्ष उत्तीर्ण एवं संस्कृत भाषा तथा दर्शन की पृष्ठभूमि अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* योग दर्शन के प्रति प्रारम्भिक समझ विकसित कर सकेंगे। * योगदर्शन में प्रतिपादित सिद्धान्तों का व्यावहारिक जीवन से तारतम्य स्थापित कर सकेंगे।

इकाई 01:	भारतीय दर्शन का स्वरूप, योगदर्शन का स्वरूप एवं परम्परा
इकाई 02:	योगसूत्र- समाधिपाद (सूत्र सङ्ख्या 1-29)
इकाई 03:	योगसूत्र- साधनपाद (सूत्र सङ्ख्या 29-55)
इकाई 04:	योगसूत्र- विभूतिपाद (सूत्र सङ्ख्या-1-15)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. पातञ्जलयोगदर्शनम् - पतञ्जलि, (व्याख्याकार) सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. पातञ्जलयोगदर्शनम् - पतञ्जलि, (व्याख्याता) स्वामी हरिहरानन्द 'आरण्यक', मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1974
3. योगसूत्रम्-पतञ्जलि, (अनुवादक) महाप्रभुलाल गोस्वामी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1983
4. योगसूत्रम्-पतञ्जलि, (अनुवादक) रमाशंकर त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, 1985
5. योगबीज, ब्रह्ममित्र अवस्थी एवं अभय कुमार शाण्डिल्य, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली, 2018
6. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर, वाराणसी, 2001
7. भारतीयदर्शन : आलोचना और अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004
8. अद्वैत वेदान्त : इतिहास तथा सिद्धान्त, राममूर्ति शर्मा, ईस्टर्न बुक लिंकर्स , दिल्ली
9. योगशास्त्र, ब्रह्ममित्र अवस्थी एवं अभय कुमार शाण्डिल्य, इन्दुप्रकाशन, दिल्ली, 2018
10. Patanjala Yoga Darshanam Vol.1 edi. by Vimala Karnataka, Varanasi, 1992
11. Yogastatra, Patanjali, (ed.) J.R. Ballantyne, Pious Book Corp., Delhi, 1985
12. History of Indian Philosophy (Vol. I-V), S.N. Dasgupta, M.L.B.D., Delhi, 1975

सेमेस्टर-V **24-SAN-M-303**	**आर्षमहाकाव्यम्: रामायणं महाभारतं च** **Epic Literature: Ramayana and Mahabharata**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण, संस्कृत भाषा एवं साहित्य का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* रामायण एवं महाभारत में निहित ज्ञानराशि से परिचित हो सकेंगे। * रामायण एवं महाभारत में वर्णित नैतिक मूल्यों को जान सकेंगे।

इकाई 01:	**वाल्मीकीय रामायण** : बालकाण्ड, सर्ग-1
इकाई 02:	**वाल्मीकीय रामायण** : सुन्दरकाण्ड सर्ग-5
इकाई 03:	**महाभारत :** यक्ष युधिष्ठिर संवाद:यक्ष-प्रश्न (वनपर्व/अध्याय 313,श्लोक सं० 45 -133)
इकाई 04:	**महाभारत :** स्वर्ण के नेवले की कथा(आश्वमेधिकपर्व/अध्याय 90)चयनित पद्य

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. श्रीमद्वाल्मीकि रामायणम् (सुन्दरकाण्डे पञ्चमः सर्गः), संस्कृत-हिन्दी व्याख्यासहित, डॉ. रमाकान्त झा एवं डॉ. शशिभूषण झा (हि.व्या.), चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण (1-2 खण्ड), संस्कृत-हिन्दी अनुवाद सहित, गीताप्रेस, गोरखपुर
3. महाभारत,महर्षि वेदव्यास,गीताप्रेस,गोरखपुर
4. महाभारत,पं० श्रीपाद दामोदर सात्वलेकर,स्वाध्याय मण्डल,गुजरात
5. रामायणकालीन समाज, डॉ. शान्तिकुमार नानूराम व्यास, सत्साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली
6. वाल्मीकि रामायण का समाजशास्त्रीय अध्ययन, शबनम गुप्ता, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली
7. श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण और भारतीय दृष्टि, पं. वैजनाथ द्विवेदी, विरोधिनी समिति, अयोध्या
8. रामकथा (उत्पत्ति और विकास), फादर कामिल बुल्के, हिन्दी परिषद् प्रकाशन, प्रयाग विश्वविद्यालय, प्रयाग
9. रामायणमीमांसा, स्वामी करपात्रीजी महाराज, राधाकृष्ण धानुका प्रकाशन संस्थान, वृन्दावन, मथुरा
10. कल्याण (रामायण अङ्क), गीताप्रेस, गोरखपुर
11. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास(रामायण तथा महाभारत)आचार्य श्री बलदेव उपाध्याय,उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान,लखनऊ
12. महाभारत की रोचक कथाएँ,सुदर्शन भाटिया,के० एल० पचौरी प्रकाशन,गाजियाबाद
13. महाभारत के आख्यान उपाख्यान की समीक्षा,जय श्री शांतिलाल जोशी,प्रिज्म बुक ,जयपुर
14. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
15. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
16. The Penguin Companion to The Ramayana,Bishnupada Chakravarty,Debjani Banerjee,Penguin Books
17. History of Classical Sanskrit Literature, Krishnamachariar,MLBD, Delhi
18. History of Sanskrit Literature,A.B.Keith,Motilal Banarsidas,Delhi
19. A Concise History of Sanskrit Literature, Gaurinath Shastri,Motilal Banarsidas,Delhi

सेमेस्टर-VI **24-SAN-M-354**	**वैदिकधर्मदर्शनम्** **Vaidika Dharmadarshana**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण,संस्कृत भाषा एवं वैदिक साहित्य का सामान्य ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	वैदिक वाङ्मय से परिचित होंगे। वैदिक सूक्तों में निहित दार्शनिक तत्त्वों से परिचित हो सकेंगे। उपनिषदों के संवादों में निहित दार्शनिक तत्त्वों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 01:	वैदिक परम्परा के आधारभूत तत्त्व, निगम, आगम, वेदाङ्ग, देवतावाद, अष्टादश विद्या, धर्म की शास्त्रीय परिभाषा, कर्म-पुनर्जन्म एवं मोक्षविषयक अवधारणा, ऋण की अवधारणा, पुरुषार्थ चतुष्टय, स्वबोध, स्वधर्म, सर्वमङ्गल की भावना
इकाई 02:	वैदिक दार्शनिक सूक्त : नासदीय सूक्त (ऋग्वेद -10.129), पुरुष सूक्त (ऋग्वेद -10.90), शिवसङ्कल्प सूक्त (यजुर्वेद 34.1-6), सामनस्य सूक्त (3.3)
इकाई 03:	उपनिषद्दर्शन : केनोपनिषद्
इकाई 04:	उपनिषद् के दार्शनिक संवाद : बृहदारण्यकोपनिषद् (याज्ञवल्क्य-मैत्रेयी), कठोपनिषद् (यम-नचिकेता), छान्दोग्योपनिषद् (सत्यकाम-जाबाल)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. भारतीय दर्शन (भाग 1-2), डॉ. राधाकृष्णन्, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
2. भारतीय धर्म और दर्शन, पं. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. भारतीय दर्शन की चिन्तनधारा, राममूर्ति शर्मा, चौखम्बा ओरिएण्टालिया, दिल्ली
4. ईशावास्योपनिषद् (शाङ्करभाष्य सहित), गीताप्रेस, गोरखपुर
5. कठोपनिषद् (शाङ्करभाष्य सहित), गीताप्रेस, गोरखपुर
6. ईशादि नौ उपनिषद्, टीकाकार-हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीताप्रेस, गोरखपुर
7. स्तोत्ररत्नावली, गीताप्रेस, गोरखपुर
8. आदिशङ्कराचार्य स्तोत्रसञ्चयः, कल्याणलाल शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी
9. आदि शङ्कराचार्य-हिन्दू धर्म के महान् विचारक, पवन कुमार वर्मा, वेस्टलैंड बुक्स
10. प्राचीन भारतीय विचारधारा – डॉ. एस.एन. दासगुप्ता, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
11. भारतीय दर्शन का इतिहास – सुरेन्द्रनाथ दासगुप्ता, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

सेमेस्टर-VII **24-SAN-M-403**	**संस्कृतनाटकम्** **Sanskrit Drama**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक तृतीय वर्ष उत्तीर्ण,संस्कृत भाषा एवं संस्कृत साहित्य का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* संस्कृत नाटकों के अध्ययन द्वारा साहित्यिक सौन्दर्य को समझने में मदद मिलेगी। * संस्कृत नाटकों में धर्म,नीति,प्रेम,त्याग और करुणा जैसे भावों का सुंदर चित्रण होता है,जो जीवन में मार्गदर्शन प्रदन करेंगे। * पात्रों के संवाद और कथानक मन में गहराई से सोचने और आत्मविश्लेषण करने की प्रेरणा देंगे। * नाटक पढ़ने से और अभिनय करने से उच्चारण, वाणी,और अभिव्यक्ति की कला निखरेगी।

इकाई 01:	चारुदत्तम् : प्रथम एवं द्वितीय अङ्क
इकाई 02:	चारुदत्तम् : तृतीय एवं चतुर्थ अङ्क
इकाई 03:	रत्नावली नाटिका : प्रथम एवं द्वितीय अङ्क
इकाई 04:	रत्नावली नाटिका : तृतीय एवं चतुर्थ अङ्क

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. चारुदत्तम् ,श्री पण्डित कपिलदेव गिरि,चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
2. चारुदत्तम् टी. गणपति शास्त्री,त्रावणकोर,1914
3. रत्नावली नाटिका,बैजनाथ पाण्डेय,मोतीलाल बनारसी दास,दिल्ली
4. रत्नावली नाटिका, परमेश्वरदीन पाण्डेय,चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन,वाराणसी
5. रत्नावली नाटिका,डॉ० शिवराज शास्त्री,साहित्य भण्डार शिक्षा साहित्य प्रकाशक ,मेरठ
6. प्राचीन संस्कृत नाटक,रामजी उपाध्याय,चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
7. संस्कृत नाटिका विमर्श,जयश्री सिन्हा,प्रकाश चंद्र नारंग कैपिटल पब्लिशिंग हाऊस,दिल्ली
8. श्रीहर्ष के रूपक,डॉ० गोकुल प्रसाद त्रिपाठी,संस्कृत परिषद,सागर विश्वविद्यालय,सागर
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर 'शर्मा 'ऋषि, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
10. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
11. संस्कृत साहित्य का इतिहास,राधावल्लभ त्रिपाठी,विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
12. History of Classical Sanskrit Literature, Krishnamachariar, MLBD, Delhi
13. History of Sanskrit Literature,A.B.Keith,Motilal Banarsidas,Delhi

सेमेस्टर-VIII **24-SAN-M-454**	**काव्यशास्त्रम्** **Poetics**

क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक तृतीय वर्ष उत्तीर्ण,संस्कृत भाषा एवं संस्कृत साहित्य का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* संस्कृत काव्यशास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थियों की काव्यग्राह्यता में वृद्धि होगी। * काव्यशास्त्र का अध्ययन विद्यार्थियों में विवेचनात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करेगा। * आचार्य भरत,आनंदवर्धन,मम्मट,विश्वनाथ आदि आचार्यों द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों का ज्ञान भारतीय काव्य परंपरा की समृद्धि को समझने में सहायक होगा। * मूल्यपरक चिंतन की प्रेरणा मिलेगी। * काव्य के घटक तत्त्वों- अलंकार, रस छन्द आदि से परिचित हो सकेंगे।

इकाई 01:	संस्कृत काव्यशास्त्र का परिचय : संस्कृत काव्यशास्त्र का उद्भव और विकास।
इकाई 02:	संस्कृत काव्यशास्त्र के प्रमुख आचार्य : भरत, भामह, दण्डी, वामन, कुन्तक, आनन्दवर्द्धन, क्षेमेन्द्र, मम्मट, विश्वनाथ, पण्डितराज जगन्नाथ और धनञ्जय।
इकाई 03:	काव्यप्रकाश : काव्यलक्षण, काव्यप्रयोजन और काव्यहेतु , शब्द और अर्थ, शब्दशक्ति -अभिप्राय और भेद।
इकाई 04:	रस का स्वरूप और भेद : रससूत्र (भरतमुनि) और उनके प्रमुख सिद्धान्त, रसनिष्पत्ति : उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद, अभिव्यक्तिवाद, अलंकार का सामान्य परिचय : अनुप्रास, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, यमक, अर्थान्तरन्यास अलंकार, विभावना, विशेषोक्ति, संकर, संसृष्टि, दीपक।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. संस्कृत साहित्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
2. साहित्य शास्त्रकोश, राजवंश सहाय 'हीरा' बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
3. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, डॉ० कृष्ण देव झारी,नालन्दा प्रकाशन,नई दिल्ली
4. भारतीय काव्यशास्त्र, एस के डे, बिहार,हिन्दी ग्रन्थ प्रकाशन,बिहार
5. भारतीय साहित्य शास्त्र, बलदेव उपाध्याय, प्रसाद परिसर,काशी
6. काव्यशास्त्र के परिदृश्य, सत्यदेव चौधरी,परिमल पब्लिकेशन,दिल्ली ,1994
7. अलंकार शास्त्र का इतिहास, कृष्ण कुमार, ज्ञान मण्डल मेरठ
8. साहित्य सिद्धान्त, पं. सीताराम शास्त्री, सं. पं. शिवनारायण शास्त्री, संस्कृत ग्रन्थागार, दिल्ली- 2004
9. संस्कृत आलोचना, पं. बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ- 2009
10. तात्पर्यवृत्ति, मणि शंकर द्विवेदी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
11. History of Sanskrit Poetics, SK De, KLM Pharma Pvt. Ltd., Calcutta, 1976
12. History of Sanskrit Poetics, PV Kane, MLBD, Delhi, 1976
13. A History of Indian Literature,M.Winternitz,University of Calcutta,ii edition,1959
14. Classical Sanskrit Literature, A. B. Keith, London,1923
15. Some Concepts of Alankarshastra, V. Raghvan, Madras,1942
16. Studies on Some Concepts of Alankarshastra, V Raghavan, Adyar Library, Madras
17. Comparative Aesthetics, K.C. Pandey, Chaukhamba, Varanasi

संलग्नक संख्या-3

संस्कृतविभागः जामियामिल्लियाइस्लामिया नवदेहलीस्थः
(राष्ट्रियमूल्याङ्कनपरिषदा A++ श्रेण्या प्रत्यायितः केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)
Department of Sanskrit, Jamia Millia Islamia, New Delhi 110 025
(NAAC Accredited A++ Central University)

संस्कृतस्नातकपाठ्यक्रमसङ्घटनम् (राष्ट्रियशिक्षानीतिम्-2020 आश्रित्य)

Undergraduate Programme in Sanskrit (Based on National Education Policy-2020)

सामान्य-ऐच्छिकम् / Multidisciplinary Course

Session 2024-25 Onwards — No. of **Credits: 03, Total Marks: 75** (UE-56, IA-19)

Semester	S. No. /Pg. No.	Course Code	Title of the Paper
I	1	24-SAN-T-103	संस्कृतसाहित्यपरिचयः / Introduction to Sanskrit Literature
II	2	24-SAN-T-153	वैदिकसंस्कृतिः / Vedic Culture
III	3	24-SAN-T-203	आयुर्वेदस्य मूलसिद्धान्ताः / Fundamentals of Ayurveda
IV		X	X
V		X	X
VI		X	X
VII		X	X
VIII		X	X

सेमेस्टर-I **24-SAN-T-103**	**संस्कृतसाहित्यपरिचयः** **Introduction to Sanskrit Literature**
क्रेडिट :03	कुल अङ्क : 75 (आन्तरिक मूल्याङ्कन:19 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 56 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	संस्कृत साहित्य का परिचय प्राप्त होगा ।

इकाई 01:	संहिता साहित्य, आरण्यक साहित्य, ब्राह्मण साहित्य, उपनिषद् साहित्य, वेदाङ्ग
इकाई 02:	आर्षकाव्य, पद्यकाव्य, गद्यकाव्य तथा चम्पूकाव्य, कथासाहित्य, पुराण साहित्य, महाकाव्य, शास्त्रकाव्य, चरितकाव्य, इतिहासविषयक विविध साहित्य
इकाई 03:	व्याकरण शास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, आयुर्वेदशास्त्र, धर्मशास्त्र, संगीतशास्त्र, काव्यशास्त्र परम्परा, दर्शनशास्त्र, शब्दकोश (विलुप्तप्राय प्राचीन कोश,वैदिक शब्दकोश, लौकिक संस्कृत के शब्दकोश, आधुनिक कोश), आधुनिक संस्कृत में लेखन की विविध विधाएँ , विदेशी विद्वानों के संस्कृत कार्य

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (छात्रोपयोगी संस्करण), राधावल्लभ त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. History of Classical Sanskrit Literature, M. Krishnamachariar, Motilal Banarsidas, Delhi
7. History of Sanskrit Literature, A.B. Keith, Motilal Banarsidas, Delhi
8. A Concise History of Sanskrit Literature, Gaurinath Shastri, Motilal Banarsidas, Delhi

सेमेस्टर-II **24-SAN-T-153**	**वैदिकसंस्कृतिः** **Vedic Culture**
क्रेडिट :03	कुल अङ्क : 75 (आन्तरिक मूल्याङ्कन:19 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 56 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	प्रथम सत्र उत्तीर्ण एवं संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* प्रारम्भिक वैदिक काल के स्रोतों को जान सकेंगे। * वैदिक काल की संस्कृति, अर्थव्यवस्था, समाज, राजनीति, दर्शन एवं धर्म की विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे ।

इकाई 01:	आर्यों का आदि देश, आर्यभाषाओं का उद्गम और विकास, वैदिक भूगोल, आर्य और दस्यु, सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन
इकाई 02:	वैदिक भाषा, वेद की व्याख्या पद्धति, वेद के भाष्यकार, वैदिक देववाद, वैदिक तथा परवर्ती देवशास्त्र
इकाई 03:	वैदिक धर्मदर्शन की शाखाएँ

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. इन्द्रविजय (पं. मधुसूदन ओझा विरचित), हिन्दी अनुवाद- डॉ. लक्ष्मी शर्मा, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी
4. भारतीय संस्कृति और कला, वाचस्पति गैरोला, उत्तर-प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
5. वैदिक देवता (उद्भव और विकास), गयाचरण त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
6. अमूर्त वैदिक देवता, लक्ष्मी मिश्रा, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली
7. वैदिक देवों का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक स्वरूप, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर (भदोही)
8. भारतीय धर्मशाखाएँ और उनका इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
9. वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत, रामकृष्ण गोपाल भण्डारकर, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
10. The Heart of Indian Culture, Sri Aurobindo (Editor: R. L. Kashyap), Sakshi Trust, Bangalore
11. A Complete Review of Vedic Literature: India's Ancient Library of Spiritual Knowledge, Stephen Knapp
12. Socialism in Vedic Literature, Pushpendra Kumar, Eastern Book Linkers, Delhi

सेमेस्टर-III **24-SAN-T-203**	**आयुर्वेदस्य मूलसिद्धान्ताः** **Fundamentals of Ayurveda**
क्रेडिट :03	कुल अङ्क : 75 (आन्तरिक मूल्याङ्कन:19 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 56 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक प्रथम वर्ष उत्तीर्ण एवं संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान अपेक्षित ।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों को जान सकेंगे। प्राकृतिक चिकित्सा का ज्ञान कर सकेंगे। * आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली को अपना सकेंगे। मानसिक और आध्यात्मिक विकास कर सकेंगे।
इकाई 01:	आयुर्वेद का परिचय (Introduction to Ayurveda): आयुर्वेद का इतिहास, आयुर्वेद का अवतरण, आयुर्वेद का प्रयोजन, अथर्ववेद में आयुर्वेद, आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य (चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट), चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय, अष्टांग संग्रह (वाग्भट्ट), आयुर्वेद के आठ अङ्ग (Eight Branches of Ayurveda): काय चिकित्सा (Medicine), शल्य तंत्र (Surgery), शालाक्य तंत्र (ENT and Ophthalmology), कौमारभृत्य (Pediatrics and Obstetrics), अगद तंत्र (Toxicology), भूतविद्या(Psychiatry), रसायनतंत्र(Rejuvenation and geriatrics), वाजीकरण (Aphrodisiac), आयुर्वेद की पद्धतियां (Ayurvedic Methods): धन्वन्तरि एवं पुनर्वसु आत्रेय
इकाई 02:	आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांत (Basic Elements of Ayurveda)- पञ्चमहाभूत (Five elements) : आकाश (Space), वायु (Air), तेज या अग्नि (Fire), जल (Water) और पृथ्वी (Earth)। त्रिदोष : वात, पित्त और कफ। त्रिगुण : सत्त्व(Sattva), रज (Raj), तम(Tama)। सप्तधातुएं : रस (Plasma), रक्त (Blood), मांस (Muscle), मेद (Adipose Tissue), अस्थि(Bone), मज्जा (Nerve), और शुक्र (Reproducteur)। त्रयोदशाग्नि : जठराग्नि (Gastric Fire), सप्तधात्वाग्नि और पञ्चभूताग्नि। त्रिमल : पुरीष (Stool), मूत्र (Urine)और पसीना (Sweat)। रोग परीक्षा, रोगी परीक्षा , रोग निदान (Diagnosis of Illness): रोग निदान के आठ प्रकार - नाड़ी परीक्षण (Pulse Test), मूत्र परीक्षण(Urine Test), मल परीक्षण (Stool Test), जिह्वा परीक्षण (Tongue Test) शब्द परीक्षण (Speech Test), स्पर्श परीक्षण (Touch Test), नेत्र परीक्षण (Eye Test), आकृति परीक्षण(Appearance Test)।
इकाई 03:	आयुर्वेदिक स्वस्थवृत (Ayurvedic healthy lifestyle): दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या (Seasonal routine) एवं ऋतुओं के प्रकार(Types of Seasons) , पथ्य-अपथ्य

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. चरक संहिता, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी,चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
2. आयुर्वेद-परिचय एवं आधारभूत सिद्धांत, सुषमा राणा, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
3. चरकसंहिता, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. आयुर्वेद चिकित्सा सूत्र, वैद्यराज पंडित जगदीश प्रसाद शर्मा चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी
5. आयुर्वेद- विज्ञान सार ,पंडित श्री युगेश्वर झा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी
6. आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांत, आनन्दमूर्ति गुरुमाँ , गुरुमाँ वाणी प्रकाशन
7. वेदों में आयुर्वेद, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद् भदोही
8. Panchakarma Illustrated, Dr. G. Shrinivasa Acharya, Chaukhamba Sanskrit Pratisthan
9. An Introduction to Ayurveda, M S Valiathan, University Press (India) Pvt. Ltd
10. Introduction to Ayurveda, Chandrashekhar G. Thakkur, The Times of India Press, Bombay

संस्कृतविभागः जामियामिल्लियाइस्लामिया नवदेहलीस्थः
(राष्ट्रियमूल्याङ्कनपरिषदा A++ श्रेण्या प्रत्यायितः केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)
Department of Sanskrit, Jamia Millia Islamia, New Delhi 110 025
(NAAC Accredited A++ Central University)

संस्कृतस्नातकपाठ्यक्रमसङ्घटनम् (राष्ट्रियशिक्षानीतिम्-2020 आश्रित्य)

Undergraduate Programme in Sanskrit (Based on National Education Policy-2020)

कौशलसंवर्धनपाठ्यक्रमम् /Skill Enhancement Course (SEC)

Session 2024-25 Onwards — No. of **Credits: 03, Total Marks: 75** (UE-56, IA-19)

Semester	S. No. /Pg. No.	Course Code	Title of the Paper
I	1	24-SAN-S-104	भारतीयवास्तुशास्त्रम् / Indian Architecture
II	2	24-SAN-S-154	भारतीयदर्शनम् / Indian Philosophy
III		X	X
IV		X	X
V	3	24-SAN-S-304	योगशास्त्रम् : सिद्धान्तः प्रयोगश्च / Yogashastra : Theory and Practice
VI		X	X
VII		X	X
VIII		X	X

सेमेस्टर-I **24-SAN-S-104**	**भारतीयवास्तुशास्त्रम्** **Indian Architecture**
क्रेडिट :03	कुल अङ्क : 75 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 19 अङ्क, सत्र-परीक्षा: 56 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* भारतीय वास्तुशास्त्र के स्वरूप एवं महत्व को जानेंगे। * वास्तुशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा और वर्तमान सन्दर्भ में उपयोगिता का ज्ञान होगा। * आधुनिक समय में वास्तुशास्त्र की चुनौतियों से अवगत होंगे।

इकाई 01:	भारतीय वास्तुशास्त्र का उद्भव एवं विकासक्रम, वैदिक कला परम्परा, प्रमुख वास्तुशास्त्रीय ग्रन्थ, महत्व एवं उपयोगिता, वास्तु एवं पञ्चमहाभूत, वास्तुशास्त्र के क्षेत्र
इकाई 02:	भूमि एवं भूमि परीक्षण: गुणवत्ता, भूमि दोष और समाधान , भूमि के प्रकार, भूखण्ड के आसपास के क्षेत्र, भूखण्ड के समीप के मार्ग, शल्योद्धार, वास्तुचक्र, वास्तुपुरुष तथा उसके मर्म स्थान
इकाई 03:	शिलान्यास, भवन निर्माण, आवासीय वास्तु, वर्तमान सन्दर्भ में भवन निर्माण, बहुमंजिले भवन और आवासीय फ्लैट, व्यावसायिक भवन और औद्योगिक संस्थान, वास्तुदोष और समाधान

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. भारतीय वास्तुशास्त्र (वर्तमान सन्दर्भ में समग्र परिशीलन), शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
2. भवन भास्कर, गीता प्रेस, गोरखपुर
3. प्राचीन भारतीय कला एवं वास्तु, पृथ्वी कुमार अग्रवाल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास, विद्याधर, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
5. Hindu Architecture in India and Abroad, Prasanna Kumar Acharya, New Bharatiya Book Corporation, Delhi
6. Vastu Astrology and Architecture, Gayatri Devi Vasudev, Motilal Banarsidass International
7. The Ancient Science of Vastu (3- Volumes), Jayshree Om and Siddharth Borad

सेमेस्टर-II **24-SAN-S-154**	**भारतीयदर्शनम्** **Indian Philosophy**
क्रेडिट :03	कुल अङ्क : 75 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 19 अङ्क, सत्र-परीक्षा: 56 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक प्रथम सत्र उत्तीर्ण।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* भारतीय दर्शन के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे। * विभिन्न दार्शनिक सम्प्रदायों की तत्त्वमीमांसा, ज्ञान मीमांसा एवं आचार मीमांसा का अनुशीलन करने और विवेचना करने में समर्थ हो सकेंगे। * भारतीय धर्म और दर्शन के मध्य के अन्तर का ज्ञान कर सकेंगे। * आधुनिक दार्शनिकों के सिद्धान्तों की समीक्षा करने में समर्थ हो सकेंगे।

इकाई 01:	प्राचीन भारत की प्राकृतिक स्थिति, दर्शन का तात्पर्य, भारतीय दर्शन की विशेषताएँ, भारतीय दर्शन के मूल स्रोत (मन्त्र-दर्शन, यज्ञ-दर्शन, उपनिषद्-दर्शन), वैदिक दर्शन और अवैदिक दर्शन
इकाई 02:	वैदिक दर्शन के प्रमुख आचार्य, साहित्य, सिद्धान्त एवं शाखाएँ, अवैदिक दर्शन के प्रमुख आचार्य, साहित्य, सिद्धान्त एवं शाखाएँ
इकाई 03:	<u>अन्य दार्शनिक परम्पराएँ</u> : वैष्णवदर्शन, पाञ्चरात्र, शैवदर्शन, शाक्तदर्शन, गाणपत्य, स्कान्द, सौर <u>परवर्ती दार्शनिक और उनके सिद्धान्त</u> : समकालीन भारतीय दर्शन की प्रवृत्तियाँ, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, स्वामी दयानन्द सरस्वती, महर्षि अरविन्द, पं. मधुसूदन ओझा, गुरु गोरक्षनाथ, स्वामी रामतीर्थ, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, रमण महर्षि, आचार्य विनोबा भावे, जे.कृष्णमूर्ति

<u>पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-</u>

1. भारतीय दर्शन की चिन्तनधारा, राममूर्ति चतुर्वेदी, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन, राधाकृष्णन, राजपाल, दिल्ली
3. भारतीय दर्शन की रुपरेखा, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली
4. भारतीय दर्शन, वाचस्पति गैरोला, लोकभारती प्रकाशन
5. ऋग्वेदीय दर्शन एवं प्रमुख दार्शनिक सूक्त, मुरलीमनोहर पाठक, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
6. समकालीन भारतीय दर्शन, लक्ष्मी सक्सेना, उत्तर-प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
7. समकालीन भारतीय दर्शन, बसन्त कुमार लाल, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स
8. समकालीन भारतीय दर्शन के कुछ मानववादी चिंतक : तुलनात्मक एवं समीक्षात्मक अध्ययन, प्रेमलता, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली
9. भारतीय धर्मशाखाएँ और उनका इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
10. वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत, रामकृष्ण गोपाल भण्डारकर, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
11. An Introduction to Indian Philosophy, Satischandra Chatterjee, Dhirendramohan Datta
12. Contemporary Indian Philosophy, Basant Kumar Lal, Motilal Banarsidass Publishers Pvt. Ltd.

सेमेस्टर-V **24-SAN-S-304**	**योगशास्त्रम् : सिद्धान्तः प्रयोगश्च** **Yogashastra : Theory and Practice**
क्रेडिट :03	कुल अङ्क : 75 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 19 अङ्क, सत्र-परीक्षा: 56 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण। भारतीय दर्शन एवं संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* योग का स्वरूप एवं योग के सैद्धांतिक आधारों से अवगत हो सकेंगे। * योग के आठ अंगों से परिचित होकर उसका सम्यक् अभ्यास करने में समर्थ हो सकेंगे। * शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को सुधारने हेतु योग का अभ्यास कर सकेंगे। * यौगिक आहार का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 01:	योग की परिभाषा एवं क्षेत्र, योग की परम्परा, योग के प्रमुख ग्रन्थ, योग के प्रमुख सिद्धान्त (अष्टांग योग, अभ्यासवैराग्य, राजयोग, हठयोग, ज्ञानयोग, भक्तियोग, कर्मयोग) आधुनिक परिप्रेक्ष्य और वैज्ञानिक शोध में योग का स्थान
इकाई 02:	आसन, आसन अभ्यास के लिए आवश्यक सावधानियाँ, प्रमुख आसनों का अभ्यास, शक्ति और संतुलन के लिए आवश्यक आसन, प्राणायाम, यौगिक श्वसन की मूल बातें, पंचप्राण, नाड़ी शोधन, भस्त्रिका, शीतली, शीत्कारी, षट् कर्म
इकाई 03:	ध्यान और मानसिक एकाग्रता की तकनीकें (ध्यान, जप, त्राटक), तनाव प्रबंधन और मानसिक संतुलन में ध्यान की भूमिका, यौगिक आहार और निद्रा नियंत्रण, नैतिक और चारित्रिक मूल्यों (यम और नियम) का आधुनिक संदर्भ में महत्व, यौगिक दिनचर्या

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. पाञ्जलयोगसूत्र, सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
2. योग दर्शन, गीता प्रेस गोरखपुर
3. प्राणायाम रहस्य, स्वामी रामदेव
4. योग और आधुनिक मनोविज्ञान, आर. एस भोगल, कैवल्यधाम, लोनावाला
5. आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बंध, स्वामी सदानंद सरस्वती, बिहार स्कूल ऑफ योग
6. यौगिक सूक्ष्म व्यायाम, स्वामी धीरेंद्र ब्रह्मचारी, धीरेंद्र योग प्रकाशन, नई दिल्ली
7. योग की आत्मा (The Heart of Yoga), टी.के.वी. देसिकाचार
8. योग दीपिका (Light on Yoga) – बी.के.एस. अयंगार
9. हठयोग प्रदीपिका, स्वामी मुक्तिबोधानंद
10. योग विज्ञान, आई.के. तैम्मनी
11. Yogasana Vijnana, Swami Dhirendra Brahmachari, Dheerendra Yoga Prakashana, New Delhi
12. Teaching Yoga, Satyapal Duggal, The Yoga Institute, Santacruz, Bombay
13. Yogic Pranayama, K.S. Joshi, Orient Paperbacks, New Delhi
14. Yoga Sutras of Patanjali, Yogi Madhvacarya/Michael Bilov

संस्कृतविभागः जामियामिल्लियाइस्लामिया नवदेहलीस्थः
(राष्ट्रियमूल्याङ्कनपरिषदा A++ श्रेण्या प्रत्यायितः केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)
Department of Sanskrit, Jamia Millia Islamia, New Delhi 110 025
(NAAC Accredited A++ Central University)

संस्कृतस्नातकपाठ्यक्रमसङ्घटनम् (राष्ट्रियशिक्षानीतिम्-2020 आश्रित्य)

Undergraduate Programme in Sanskrit (Based on National Education Policy-2020)

मूल्ययोजनपाठ्यक्रमम् / Value Added Course

Session 2024-25 Onwards — No. of **Credits: 02, Total Marks: 50** (UE-37, IA-13)

Semester	S. No. /Pg. No.	Course Code	Title of the Paper
I	1	24-SAN-V-105	पुराणपरिचयः / Introduction to Puranas
II	2	24-SAN-V-155	उपनिषद्-परिचयः / Introduction to Upanishads
III	3	24-SAN-V-204	भगवद्गीता/Bhagavad-Gita
IV	4	24-SAN-V-254	प्राचीनभारतीयराजशास्त्रम् /Ancient Indian Polity
V		X	X
VI		X	X
VII		X	X
VIII		X	X

सेमेस्टर-I **24-SAN-V-105**	**पुराणपरिचयः** **Introduction to Puranas**
क्रेडिट :02	कुल अङ्क : 50 (आन्तरिक मूल्याङ्कनः 13 अङ्क ,सत्र-परीक्षाः 37 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* पुराण विषयक सामान्य परिचय प्राप्त होगा। * पुराणों के सामाजिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक, साहित्यिक और नैतिक महत्त्व के अनुशीलन का बोध प्राप्त होगा।
इकाई 01:	पुराण-लक्षण, रचनाकाल, संख्या,वर्गीकरण, शैली, वर्ण्यविषय, पुराणों में भारतवर्ष
इकाई 02:	प्रमुख वैष्णव पुराणों की विस्तृत विषयवस्तु और सांस्कृतिक समीक्षा

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. पुराण विमर्श, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, त्रयोदश खण्ड (पुराण), संपादक- प्रो॰ गंगाधर पण्डा, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

सेमेस्टर-II **24-SAN-V-155**	**उपनिषद्-परिचयः** **Introduction to Upanishads**
क्रेडिट :02	कुल अङ्क : 50 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 13 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 37 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक प्रथम सत्र उत्तीर्ण, संस्कृत भाषा एवं साहित्य का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	उपनिषदों के वर्ण्यविषय और महत्त्व को जान सकेंगे। ईशावास्योपनिषद् और कठोपनिषद् के सिद्धान्तों से परिचित होकर उनकी व्यावहारिकता से अवगत हो सकेंगे।
इकाई 01:	उपनिषद् शब्द अर्थ, रचनाकाल, संख्या, प्रमुख उपनिषदों के केन्द्रीय विचार, उपनिषदों की दार्शनिक विधियाँ, भाष्य-परम्परा, उपनिषदों के प्रमुख आख्यान, उपनिषदों पर पाश्चात्य विद्वानों के उल्लेखनीय कार्य
इकाई 02:	ईशावास्योपनिषद् और कठोपनिषद् में प्रतिपादित प्रमुख सिद्धान्तों की विस्तृत समीक्षा

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. उपनिषदों का संदेश, डॉ. राधाकृष्णन्, राजपाल, दिल्ली
3. उपनिषदों की कहानियाँ/Stories of Upanishads (Bilingual: Hindi-English), जयकिशनदास सादानी, भारतीय विद्या मन्दिर, दिल्ली
4. उपनिषद्-अङ्क, गीताप्रेस, गोरखपुर
5. उपनिषदों का सन्देश, स्वामी रंगनाथानन्द, रामकृष्ण मठ, नागपुर
6. उपनिषदों की कहानियाँ, रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री, साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयाग
7. The Principal Upanishads, S. Radhakrishnan, Oxford Press, Delhi

सेमेस्टर-III **24-SAN-V-204**	**भगवद्गीता** **Bhagavad-Gita**
क्रेडिट :02	कुल अङ्क : 50 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 13 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 37 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक प्रथम वर्ष उत्तीर्ण, संस्कृत भाषा एवं साहित्य का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	भगवद्गीता के स्वरूप एवं उसमें निहित ज्ञान तथा जीवनदर्शन से अवगत हो सकेंगे। समग्र गीता के प्रतिपाद्य विषय वस्तु से परिचित हो सकेंगे।
इकाई 01:	भगवद्गीता का स्वरूप एवं पृष्ठभूमि, भगवद्गीता के अठारह अध्यायों का प्रतिपाद्य।
इकाई 02:	भगवद्गीता : अध्याय 16

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. भगवद्गीता, शाङ्करभाष्य-हिन्दी अनुवाद सहित, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. भगवद्गीता, साधक सञ्जीवनी हिन्दी टीका, स्वामी रामसुखदास, गीताप्रेस, गोरखपुर
3. गीता में आत्म प्रबन्धन, राजेन्द्र कुमार, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी
5. The Holy Geeta, Chinmayanand, Chinmaya Publication, Mumbai
6. Universal Message of the Bhagavad Gita, Swami Ranganathananda, 3-Volumes, Advaita Ashrama, Kolkata
7. Essays on Gita, Shri Aurobindo, Shri Aravind Ashram, Pondichery

सेमेस्टर-IV **24-SAN-V-254**	**प्राचीनभारतीयराजशास्त्रम्** **Ancient Indian Polity**
क्रेडिट :02	कुल अङ्क : 50 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 13 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 37 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	स्नातक प्रथम वर्ष उत्तीर्ण, संस्कृत भाषा एवं साहित्य का ज्ञान अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* इसके अध्ययन से भारतीय सभ्यता, संस्कृति और शासन प्रणाली की समझ विकसित होगी। * विद्यार्थी भारत की प्राचीन परंपराओं, प्रशासनिक व्यवस्था से अवगत होंगे। * भारत के समृद्ध प्राचीन शासन प्रणाली को जानकर वे राष्ट्रीय चेतना और विकास में सकारात्मक योगदान दे सकेंगे।

इकाई 01:	**भारतीय राजशास्त्र उद्भव और विकास** :वैदिककल से बौद्ध काल तक-वैदिक कालीन राष्ट्र और राज्य की अवधारणा,वैदिक कालीन शासन संस्थाएं,उत्तरवैदिक कालीन शासन प्रणालियाँ,बौद्ध युगीन शासन प्रणालियाँ,गणराज्यों की शासन प्रणाली **भारतीय राजशास्त्र के प्रमुख विचारक** : मनु,शुक्राचार्य,भीष्मपितामह,कौटिल्य,कामन्दक,सोमदेवसूरी **भारतीय राजशास्त्र के समकालीन विचारक**
इकाई 02:	**दैवी उत्पत्ति सिद्धान्त:** (मनुसमृति 7.3-5,9.303-311),**दण्डनीति** :(शुक्रनीति), **राजधर्म:** महाभारत,शान्तिपर्व,120.1-15,मनुस्मृति,7. 1-15,शुक्रनीति 1.1-15),**स्वामी राजा के गुण:** (कौटिल्य अर्थशास्त्र 6.1.16-),**कौटिल्य की कल्याणकारी राज्य की संकल्पना:** (कौटिल्य-अर्थशास्त्र,1.13.5-9),**सोमदेवसूरी कृत नीतिवाक्यमृत के अनुसार राजशास्त्र के तत्व:दण्डनीति सुमुद्देश्य** (9.1-8,**जनपद समुद्देश्य** 19.1-10) **भारतीय राजशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत:** (मनुस्मृति, शुक्रनीति,महाभारत अर्थशास्त्र,के विशेष सन्दर्भ में) सप्ताङ्ग सिद्धान्त,मण्डल सिद्धांत, षाड्गुण्य नीति ,व्यावहारिक राजनीति के चतुर्विध उपाय (साम,दान,दण्ड,भेद),राज्य संस्था की त्रिविध शक्तियाँ (प्रभु,मंत्र,उत्साह)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. मनुस्मृति, रामेश्वर भट्ट (हिन्दी अनुवाद), राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
2. शुक्रनीति, ब्रह्माशंकर मिश्र (हिन्दी अनुवाद), चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
3. कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम्, वाचस्पति गैरोला,चौखम्बा विद्याभवन,वाराणसी
4. महाभारत, गीता प्रेस, गोरखपुर
5. प्राचीन भारतीय राजशास्त्र की वर्तमान राजनीति में प्रासङ्गिकता,डॉ० धनञ्जय मणि त्रिपाठी,डॉ० जहाँ आरा,वाक् सुधा प्रकाशन, दिल्ली
6. संस्कृत में राजनीतिक चिन्तन, डॉ० पङ्कजा घई कौशिक,विद्यानिधि प्रकाशन,दिल्ली
7. प्राचीन भारतीय शासनपद्धति, अनन्त सदाशिव अलतेकर,भारती भण्डार,इलाहाबाद
8. प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्थाएं , कैलाश चन्द्र जैन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
9. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद और भारतीय राजशास्त्र , शशि तिवारी, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली
10. भारतीय ज्ञानपरंपरा और विचारक, रजनीश कुमार शुक्ल, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा
11. परिवर्तन विश्व में भारत की रणनीति, सुब्रह्मण्यम जयशंकर,प्रभात प्रकाशन,दिल्ली
12. Arthashastra of Kautilya, R.P. Kangle (ed), Motilal Banarsidas, Delhi
13. State and Government in Ancient India, AS Altekar, MLBD, Delhi
14. Vedic Tradition of Law & Legal System, Upendra Kumar Tripathi, Anoop Kumar, Centre for Vedic Sciences, Banaras Hindu University
15. Vedic Translation of Law & Legal System, Upendra Kumar Tripathi, Anoop Kumar, Centre for Vedic Sciences, Banaras Hindu University
16. The India Way Strategies for an Uncertain World, S. Jaishankar, Harper Collins Publishers India